दिल्ली
अधिकतम तापमान 33 डिग्री
न्युनतम तापमान 29 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 32 डिग्री
न्युनतम तापमान 29 डिग्री

सोमवार 02 जून 2025
सुर्योदय प्रात: 05:24 बजे
सूर्यास्त सांय 19:16 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 'आपरेशन सिंदूर' के बाद 'आपरेशन बंगाल' की चुनौती

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक : 227 | गाजियाबाद, सोमवार 02 जून 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
UPI ID: 300012627000246@cnrb
BHIM UPI
Canara ai1 CBDC Paytm Cred PhonePe Google Pay
DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

NCR MASALA
India's Premium Masala
9410855900
ncrmasala@gmail.com
get online www.ncrmasala.com
गर्म मसाला, हल्दी, मिर्च, धनिया, जीरा व अन्य रसोई मसाले

3-5 जून को ब्रासीलिया में आयोजित ब्रिक्स संसदीय मंच के लिए ब्राजील रवाना हुए लोकसभा अध्यक्ष

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला रविवार को 11वें ब्रिक्स संसदीय मंच में भाग लेने के लिए ब्राजील की यात्रा पर रवाना हुए, जहां वह बहुपक्षीय शांति और सुरक्षा ढांचे में सुधार पर अपने विचार प्रश्तुत करेंगे। बिरला ब्रिक्स संसदीय मंच के लिए भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं, जो 3-5 जून को ब्रासीलिया में आयोजित किया जाएगा। इसमें ब्रिक्स सदस्यों और आमंत्रित देशों की संसदों के पीठासीन अधिकारी भाग लेंगे। इस मंच का विषय है 'अधिक समावेशी और टिकाऊ वैश्विक शासन के निर्माण में ब्रिक्स संसदों की भूमिका'। ब्रिक्स समूह में ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, सऊदी अरब, मिस्र, संयुक्त अरब अमीरात, इथियोपिया, इंडोनेशिया और ईरान शामिल हैं।

पूर्व डीजीपी की किताब में पीएमओ द्वारा कैटरर का बिल नामंजूर करने से लेकर योगी तक के किस्से

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। उत्तर प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक ओ पी सिंह ने अपने कार्यकाल के दौरान के अनुभवों को एक किताब की शक्ल दी है जिनमें उन्होंने अनेक रोचक घटनाओं का जिक्र किया है।इनमें 80 के दशक की शुरुआत में एक मुफस्सिल (ग्रामीण) इलाके में प्रधानमंत्री के दल को खाना खिलाने वाले एक कैटरर को मेन्यू में चिकन का उल्लेख होने के कारण 7,000 रुपये का बिल देने से मना करने और सर्दियों की एक सुबह प्रशासन द्वारा गृह मंत्री का स्वागत करना भूल जाने जैसे किस्से हैं। साथ ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर भी इसमें एक अध्याय है।भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 1983 बैच के अधिकारी ने अपने 37 साल के करियर के अनुभवों को 'थ्रू माई आईजः स्केचेस फ्रॉम ए कॉप्स नोटबुक' नामक पुश्तक में लिखा है।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री का फ्रांस दौरे पर, भारत-यूरोपीय संघ एफटीए को मिलेगा बढ़ावा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने 1 जून को तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे की शुरुआत की। यह दौरा फ्रांस और इटली के लिए 1 से 5 जून तक जारी रहेगा। फ्रांस में गोयल कई द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। इनमें अर्थव्यवस्था मंत्री एरिक लोम्बार्ड और व्यापार मंत्री लॉरेंट सेंट-मार्टिन शामिल हैं। इन बैठकों में भारत-फ्रांस आर्थिक भागीदारी को मजबूत करने पर चर्चा होगी। इस दौरे में प्रमुख फ्रांसीसी कंपनियों जैसे विकाट, टोटल एनर्जी, लोरियल, रेनॉल्ट, वैलेओ, ईडीएफ और एटीआर के साथ व्यापारिक बैठकें भी शामिल हैं। इसके अलावा, इंडिया-फ्रांस बिजनेस राउंड टेबल और इंडिया-फ्रांस सीईओ फोरम का आयोजन किया जाएगा।

उत्तरी नाइजीरिया में सड़क दुर्घटना में 21 लोगों की मौत

✷ वेबवार्ता. अबुजा ✷। नाइजीरिया में हाल ही में संपन्न राष्ट्रीय खेल महोत्सव से लौट रहे एथलीटों के एक समूह को ले जा रही बस के देश के उत्तरी हिस्से में एक व्यश्त एक्सप्रेसवे पर दुर्घटनाग्रश्त हो जाने से कम से कम 21 लोगों की मौत हो जाने तथा तीन अन्य के घायल होने की घटना सामने आयी है। संघीय सड़क सुरक्षा कोर के राष्ट्रीय प्रवक्ता ओलुसेगुन ओगुंगबेमाइड ने बताया कि दुर्घटना शनिवार दोपहर को कडुना-कानो एक्सप्रेसवे पर उस समय हुई जब तेज गति से जा रही बस अनयंत्रित होकर सड़क से उतरने के बाद पलट गयी। नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला टीनूबू ने कहा कि यह घटना 'राष्ट्र के लिए एक विनाशकारी झटका है।

पूर्वोत्तर में भारी बारिश ने मचाई तबाही, 24 घंटे कम से कम 32 लोगों की मौत

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

पूर्वोत्तर के राज्यों में भारी बारिश ने भीषण तबाही मचाई है। पिछले 24 घंटे में बारिश संबंधी घटनाओं में कम से कम 32 लोगों की जान जाने की खबर है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 24 घंटे में बारिश की तीव्रता में कमी आ सकती है।

हालांकि बारिश से पूरी तरह निजात नहीं मिलने वाली है। मौसम विभाग के मुताबिक पूर्वोत्तर में अगले दो दिनों तक बारिश जारी रहने का अनुमान है। उप हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में मूसलाधार बारिश जारी रहने की संभावना है।उत्तरी बंगाल और मेघालय पर बने कम दबाव के क्षेत्र की वजह से असम, मिजोरम, मेघालय, नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश और पश्चिम बंगाल में भारी बारिश हो रही है। बाढ़, भूस्खलन और मकानों-होटलों के ढहने की वजह से कई लोग मारे गए हैं और कई अब भी लापता हैं।

मेघालय में 7 की मौत

मेघालय में तीन बच्चों समेत कम से कम सात लोगों की मौत हो गई है। चेरापुंजी और मॉसिनराम में एक दिन में ही 47 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई। नगालैंड के चूमौकेदिमा में सड़क पर चट्टान गिरने की वजह से एक शख्स की मौत हो गई। मिजोरम में घर और होटल ढहने की वजह से कम से कम 6 लोगों के मारे जाने की खबर है।

इसमें म्यांमार के भी तीन नागरिक शामिल हैं। वे जिस होटल में ठहरे थे वह बारिश की वजह से ढह गया। मणिपुर में आइरिल और नांबुल नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

कार में बह गए दो परिवार

अरुणाचल प्रदेश में पानी के तेज बहाव की वजह से हाइवे से ही एक कार बह गई जिसमें कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई। ईस्ट कामेंग जिले में एनएच-13 पर पानी के तेज बहाव की वजह से कार बह गई। वहीं सुबानसिरी जिले में दो मजदूर भूस्खलन के चपेट में आ गए। मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने मृतकों के परिवार के लिए चार लाख रुपये मदद राशि का ऐलान किया है।

असम में कम से कम 9 की मौत

असम में भारी बारिश की वजह से कम से कम 9 लोगों की जान चली गई। लखीमपुर जिले में रंगानदी डैम से ज्यादा पानी छोड़े जाने की वजह से कम से कम दो की जान चली गई। गुवाहाटी में तीन बच्चों समेत पांच की मौत हो गई। बोंडा इलाके में भूस्खलने की वजह से एक शख्स की जान चली गई। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) के आंकड़ों के अनुसार, राज्य के पश्चिमी भाग में तीन जिलों में 'रेड अलर्ट'है और आठ अन्य जिलों में 'ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। जबकि अरुणाचल प्रदेश और मेघालय के ऊपरी इलाकों से आने वाले वर्षा जल ने राज्य में बाढ़ की स्थिति को और गंभीर कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि बाढ़ से 58 हजार से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं, जबकि बाढ़ प्रभावित 1,224 लोगों ने पांच राहत शिविरों में शरण ली है। यहां 11 अन्य राहत वितरण केंद्र भी खोले गए हैं।

जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में कुछ जगहों पर तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। मध्य प्रदेश, बिहार, ओडिशा, झारखंड औरछत्तीसगढ़ में हल्की बारिश के साथ तेज हवाएं चलेंगी। उत्तर प्रदेश और राजधानी दिल्ली में भी 45 से 55 की गति से हवाएं चल सकती हैं और कई जगहों पर बौछार पड़ सकती है।

देश में कोरोना के एक्टिव मरीजों की संख्या 3758 के पार, दो की मौत

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

देश में कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ने लगे हैं। कोरोना वायरस से पिछले 24 घंटे के दौरान दो मरीजों की मौत हुई है। कर्नाटक में 63 वर्षीय बुजुर्ग मरीज ने दम तोड़ दिया, जिन्हें पहले से अन्य गंभीर बीमारियां भी थीं। केरल में 24 साल की एक युवती की संक्रमण से मौत हुई है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को सुबह जारी आंकड़ों में बताया कि देश में एक्टिव कोविड केस की संख्या बढ़कर 3758 हो गई है। बीते 24 घंटे में 363 नए संक्रमित मरीज सामने आए, जबकि 1818 मरीजों को इलाज के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया।

आंकड़ों के अनुसार सभी राज्यों में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे है। केरल में सबसे ज्यादा 1400, महाराष्ट्र में 485 और दिल्ली में 436 कोरोना के मामले हैं। देश में कोरोना के 4 नए वैरिएंट मिले हैं।

आईसीएमआर के मुताबिक दक्षिण और पश्चिम भारत में कोरोना के चार नए वैरिएंट की पहचान हुई है। इनमें एलएफ.7, एक्सेफजी, जे एन 1 और एंबी.1.8.1 शामिल हैं। जेएन.1 भारत में सबसे आम वैरिएंट बन गया है, जो टेस्टिंग में 50 प्रतिशत से ज्यादा सैंपल में मिला है।

यह ओमिक्रॉन के बी ए.2.86 का स्ट्रेन है और इम्यूनिटी को कमजोर करता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हालांकि इसे 'वैरिएंट ऑफ इंटरेस्ट' की श्रेणी में रखा है, लेकिन इन वैरिएंट को बहुत चिंताजनक नहीं माना है।

डांटने का मतलब किसी को आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं: उच्चतम न्यायालय

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उच्चतम न्यायालय ने एक छात्र को डांटकर आत्महत्या के लिए मजबूर करने के आरोपी शख्स को बरी कर दिया है। आरोपी, एक स्कूल और एक छात्रावास का प्रभारी था, जिसने एक अन्य छात्र की शिकायत पर दूसरे छात्र को डांटा था जिसने बाद में एक कमरे में फांसी लगा ली।

न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्ला और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने कहा कि कोई भी सामान्य व्यक्ति यह नहीं सोच सकता था कि डांटने के कारण ऐसी दुखद घटना घट सकती है। शीर्ष अदालत ने मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश को खारिज कर दिया, जिसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 306 के तहत आत्महत्या के लिए उकसाने के अपराध से शिक्षक को बरी करने से इनकार कर दिया गया था।

पीठ ने कहा, ''पूरे मामले पर विचार करने के बाद, हम इसे हश्तक्षेप के लिए उपयुक्त मामला पाते हैं। जैसा कि अपीलकर्ता ने सही ढंग से प्रश्तुत किया है, कोई भी सामान्य व्यक्ति यह नहीं सोच सकता कि डांटने के कारण, वह भी एक छात्र की शिकायत के आधार पर, इतनी त्रासदी हो सकती है कि डांटने के कारण छात्र ने खुदकुशी कर ली।''

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि इस तरह की डांट-फटकार कम से कम यह सुनिश्चित करने के लिए थी कि दूसरे छात्र द्वारा की गई शिकायत पर ध्यान दिया जाए और सुधारात्मक उपाय किए जाएं। व्यक्ति ने अपने वकील के माध्यम से प्रश्तुत किया था कि उसकी प्रतिक्रिया उचित थी और यह केवल एक अभिभावक के रूप में डांट-फटकार थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्र गलती को दोबारा न दोहराए और छात्रावास में शांति और सौहार्द बनाए रखे। उसने प्रश्तुत किया था कि उसके और मृतक छात्र के बीच कोई व्यक्तिगत संबंध नहीं था।

धनखड़ और योगी ने की महारानी अहिल्याबाई होल्कर जयंती समारोह में शिरकत

✷ एनसीआर टुडे. आगरा ✷

रविवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगरा में महारानी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में हिस्सा लिया।

उपराष्ट्रपति ने लोकमाता के पदचिन्हों से जोड़ते हुए केंद्र और राज्य सरकार की प्रशंसा की तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर भी निशाना साधा। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि प्रदेश में सात स्थानों पर लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल बनाये जाएंगे।

शहर के जीआईसी मैदान पर आयोजित समारोह में उपराष्ट्रपति ने कहा कि काशी विश्वनाथ मंदिर का कॉरिडोर बनाकर भव्य रूप देना आसान नहीं था, लेकिन मोदी-योगी सरकार ने कर दिखाया। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भी उन्होंने केंद्र सरकार और देश की सेना की खुलकर प्रशंसा की। उपराष्ट्रपति ने कहा कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने कानून का राज स्थापित किया है। जिस नारी सशक्तिकरण को महारानी अहिल्याबाई होलकर ने प्रोत्साहित किया, उसे यूपी सरकार बखूबी आगे बढ़ा रही है। उन्होंने महाकुंभ की व्यवस्थाओं के लिए भी उत्तर प्रदेश सरकार की तारीफ की।

इससे पहले समारोह को संबोधित करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ने पूरे देश के मंदिरों का जीर्णोद्धार कराकर समाज को एक सूत्र में पिरोने का काम किया। उसी प्रकार वर्तमान में केंद्र की मोदी सरकार देश के सभी वर्गों को आगे बढ़ाने का काम कर रही है। देश की सुरक्षा के गुण भी अहिल्याबाई होल्कर ने सिखाए, आज भी भारत अपने दुश्मनों को करारा जवाब देना जानता है। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से पाकिश्तान को सबक सिखाया गया है।

विपक्ष पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि कुछ लोग माफियाओं को पालते थे और अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर बने डिग्री कॉलेज का नाम बदल देते थे। आज डबल इंजन की सरकार औरैया के मेडिकल कॉलेज का नाम लोकमाता के नाम पर करती है। प्रदेश में सात स्थानों पर लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल बनाये जाएंगे। आगरा में भी लोकमाता के नाम समर्पित कुछ बड़ा काम होगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के बहादुर जवानों ने पाक के एयर डिफेंस सिस्टम को नष्ट कर दिया, ये सब महारानी अहिल्याबाई होल्कर की प्रेरणा की ही कड़ी है।

समारोह में केंद्रीय राज्यमंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल ने मंच से उपराष्ट्रपति से मांग करते हुए कहा कि पाल, बघेल, धनगर समाज के जाति प्रमाण-पत्र बनने में जो परेशानी आ रही हैं, उसको दूर करने के लिए प्रयास किया जाए।

सीडीएस के बयान: कांग्रेस हमलावर कहा- सरकार सत्र बुलाकर दे जवाब

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

ऑपरेशन सिंदूर के बाद से कांग्रेस और तमाम विपक्षी दल केंद्र की एनडीए सरकार पर हमलावर है। कांग्रेस बार बार पूछ रही है कि भारत को क्या क्या नुकसान हुआ है। इस पर सरकार स्थिति स्पष्ट करे। इसी बीच चीफ डिफेंस स्टाफ यानी सीडीएस अनिल चौहान का बयान आया कि सवाल ये नहीं है कि भारत के विमान कितने गिरे, सवाल ये है कि आखिर गिरे क्यों है। इस बयान के बाद कांग्रेस ने एक बार फिर सत्र बुलाकर एक एक सवाल का जवाब देने की मांग की है।

कांग्रेस ने सीडीएस चौहान के एक बयान का हवाला देते हुए सरकार पर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया और कहा कि कई अहम सवालों का जवाब देने के लिए सरकार को तत्काल संसद का विशेष सत्र बुलाना चाहिए। पार्टी कहा कि सरकार को इस बारे में सच बताना चाहिए कि क्या नुकसान हुआ है। कांग्रेस ने यह भी कहा कि कारगिल समीक्षा समिति की तर्ज पर एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति द्वारा देश की मौजूदा रक्षा तैयारियों की व्यापक समीक्षा कराई जानी चाहिए। जनरल अनिल चौहान ने पाकिश्तान के साथ हालिया सैन्य टकराव में विमान के नुकसान की बात स्वीकार की थी, लेकिन राफेल छह भारतीय लड़ाकू विमानों को मार गिराने के इस्लामाबाद के दावे को एकदम गलत बताया है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, सिंगापुर में एक इंटरव्यू में सीडीएस द्वारा की गई टिप्पणियों के मद्देनजर, कुछ बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न हैं जिन्हें पूछे जाने की आवश्यकता है।

चार प्रमुख प्रवृत्तियों से आकार लेंगे भविष्य के युद्ध: सीडीएस जनरल अनिल चौहान

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान का कहना है कि भविष्य के युद्ध चार प्रमुख प्रवृत्तियों द्वारा आकार लेंगे। इनमें से एक है सभी क्षेत्रों में सेंसर्स का प्रसार। दूसरा- लंबी दूरी तक मार करने वाली हाइपरसोनिक और सटीक हथियार प्रणालियां।

तीसरा, स्वायत्त प्रणालियों के साथ मानव-मानव रहित टीमिंग। चौथा है, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और क्वांटम तकनीक द्वारा संचालित युद्धक्षेत्र की बुद्धिमत्ता।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने यह जानकारी रविवार को सिंगापुर में दी। वह यहां आयोजित प्रतिष्ठित 'शांगरी-ला डायलॉग 2025' में 'भविष्य की चुनौतियों के लिए रक्षा नवाचार समाधान' विषय पर बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में जनरल अनिल चौहान ने बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य और तेजी से हो रहे तकनीकी परिवर्तनों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी के लोकतंत्रीकरण ने गैर-राज्य तत्वों (नॉन स्टेट एक्टर्स) को सशक्त किया है, जिससे प्रॉक्सी युद्धों और अस्थिरता को बढ़ावा मिला है। उन्होंने क्षमताओं के विकास के लिए अनुकूलनशीलता, नवाचार और आत्मनिर्भरता को मूलमंत्र बताया। भारत ने निजी उद्योगों के साथ सहयोग करते हुए एक संयुक्त रक्षा उत्पादन पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया है। उन्होंने बताया कि भारत ने 'रणनीति-प्रेरित आधुनिकीकरण' को अपनाया है। इससे युद्धक प्रणालियां परिचालन आवश्यकताओं और स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप विकसित की जा सकें।

जनरल चौहान ने कहा कि वर्तमान में चल रहा परिवर्तन सिर्फ हथियारों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सिद्धांत, संगठनात्मक संस्कृति और मानव संसाधन का भी कायाकल्प शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत की अनूठी भौगोलिक स्थिति, अनुभव और आकांक्षाएं इसके रक्षा दृष्टिकोण को आकार देती हैं। अपने संबोधन के अंत में, जनरल अनिल चौहान ने वैश्विक शांति और उत्तरदायी नवाचार के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया।

उन्होंने 'शांगरी-ला डायलॉग 2025' को वैश्विक स्थिरता हेतु संवाद और सहयोग को बढ़ावा देने वाला एक महत्वपूर्ण मंच बताया। 'शांगरी-ला डायलॉग 2025' के दौरान भारत और फिलीपींस के रक्षा प्रमुखों के बीच द्विपक्षीय वार्ता भी हुई।

डीआरआई ने मिजोरम में मेथामफेटामाइन की बड़ी खेप पकड़ी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने नशीली दवाओं के

खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 30 मई को मिजोरम के आइजोल-चंफई राजमार्ग पर एक महिंद्रा एक्सयूवी से 9.72 किलोग्राम मेथामफेटामाइन की गोलियां जब्त की। अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में जब्त की गई गोलियों की कीमत 9.72 करोड़ रुपये आंकी गई है।

वित्त मंत्रालय की ओर से रविवार को इस संबंध में जानकारी साझा की गई। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि यह प्रतिबंधित मादक पदार्थ म्यांमार से भारत-म्यांमार सीमा के ज़ोखावथर सेक्टर के माध्यम से मिजोरम में लाया गया था।

डीआरआई के अधिकारियों को 10 पैकेट मिले, जिनमें तस्करी की गई यह दवा छिपाई गई थी। इन पैकेटों को वाहन की पीछे की सीट पर एक कोटर/कक्ष में चालाकी से रखा गया था। बरामद की गई दवा और वाहन दोनों को जब्त कर लिया गया है। इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

जनवरी 2025 से अब तक डीआरआई ने मिजोरम में 72 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की मेथामफेटामाइन और हेरोइन जब्त की है। इस दौरान 7 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एनडीपीएस अधिनियम के तहत दोषियों के लिए 10 साल तक के कठोर कारावास का प्रावधान है। डीआरआई की यह कार्रवाई नशीली दवाओं की तस्करी के खिलाफ सख्त कदम है।

संक्षिप्त समाचार

अतिथि शिक्षक की हत्या करने वाले 3 नक्सली गिरफ्तार, घोषित था 21 लाख का इनाम

सुकमा, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में नक्सल समस्या के खात्मे की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहे सुरक्षाबलों को शनिवार को कुछ और सफलता मिली। इस दौरान पुलिस ने सुकमा से तीन नक्सलियों को गिरफ्तार कर लिया, जिन पर कुल 21 लाख रुपए का इनाम घोषित था। इस बारे में शनिवार को जानकारी देते हुए एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार तीनों नक्सलियों पर पिछले साल जिले में हुई एक शिक्षादूत (अस्थायी अतिथि शिक्षक) की हत्या की वारदात में शामिल होने का आरोप है। पुलिस अधिकारी ने आगे कहा कि गिरफ्तार कैडरों की पहचान डोडी पोडिया (36), डोडी पांडू (18) और डोडी नंदू (28) के रूप में हुई है, जिन्हें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 165वीं बटालियन और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने उनके पैतृक स्थान जगरगुंडा थाना क्षेत्र के गोंडपल्ली से गिरफ्तार किया। अधिकारी ने कहा कि माओवादियों के प्लाटून पार्टी कमेटी के सदस्य पोडिया और पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी कंपनी नंबर 10 के पार्टी सदस्य पांडू दोनों पर 8-8 लाख रुपए का इनाम घोषित था, जबकि नंदू पर 5 लाख रुपए का इनाम था। पुलिस अधिकारी ने आगे बताया कि इन तीनों ने मिलकर पिछले साल 13 सितंबर को शिक्षा दूत डोडी अर्जुन (25) की पिटाई के बाद गला घोंटकर हत्या कर दी थी। आरोपियों ने अर्जुन के पैतृक गांव गोंडपल्ली में इस वारदात को अंजाम दिया था। नक्सलियों ने उन पर पुलिस मुखबिर होने का आरोप लगाया था। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए तीनों नक्सली उस हत्या की वारदात में शामिल थे। पिछले साल बस्तर क्षेत्र में 925 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया था। बस्तर क्षेत्र में सुकमा समेत सात जिले शामिल हैं।

गुरुग्राम के साढ़े 3 लाख से अधिक घरों में सीवर के अवैध कनेक्शन, सर्वे में खुलासा

गुरुग्राम , एजेंसी। गुरुग्राम नगर निगम क्षेत्र में साढ़े तीन लाख से अधिक घरों में सीवर के अवैध कनेक्शन चल रहे हैं। नगर निगम की तरफ से किए गए सर्वे में इसका खुलासा हुआ है। अवैध सीवर कनेक्शनों के कारण निगम को हर माह लाखों रुपयों के राजस्व का नुकसान हो रहा है। 28 मई को चंडीगढ़ में सीएम नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हुई बैठक में सीएम ने इन सभी सीवर कनेक्शनों को नियमित करने के निर्देश दिए हैं। बता दें कि शहर में अवैध सीवर कनेक्शनों के कारण सीवर लाइन जाम होने और ओवरफ्लो की समस्या बनी हुई है। सीवर ओवरफ्लो और जाम की समस्या को लेकर रोजाना 200 से अधिक शिकायतें दर्ज हो रही हैं। शिकायतें ज्यादा दर्ज होने के कारण 50 फीसदी शिकायतों का समाधान तक नहीं हो पाता है। गुरुग्राम नगर निगम के सर्वे में पता चला है निगम क्षेत्र में कुल 5 लाख 52 हजार 190 घरों में सीवर के कनेक्शन चल रहे हैं। इनमें से 1 लाख 84 हजार 260 घरों में निगम के नियमित सीवर के कनेक्शन हैं। सर्वे के अनुसार, 3 लाख 67 हजार 930 घरों में अवैध रूप से सीवर के कनेक्शन चल रहे हैं। बीते दो दशक से यह सीवर के कनेक्शन चल रहे हैं। नियमों के अनुसार, सीवर कनेक्शन लगाने से पहले निगम में इसके लिए आवेदन करना होता है। इसके बाद निर्धारित फीस जमा करवाकर ही निगम से सीवर का कनेक्शन लेना होता है, लेकिन नगर निगम क्षेत्र में रहने वाले लोग निगम की बिना अनुमति ही अवैध रूप से सीवर कनेक्शन लिए हुए हैं। मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक में इस बात का भी खुलासा हुआ है कि नगर निगम के क्षेत्र में कुल 165 जगहों पर अवैध रूप से सीवर के कनेक्शन लेग-1, 2 और तीन में 269.84 एमएलडी सीवर का पानी बिना निस्तारण के ही बहाया जा रहा है। इसमें से निगम ने 149 जगहों से 208.09 एमएलडी सीवर के पानी को इन नालों से हटाकर निस्तारित करने की योजना पर काम शुरू कर दिया है। जबकि 16 जगहों पर अभी भी 61.75 एमएलडी सीवर का पानी बिना निस्तारित ही इन तीनों नालों में बहाया जा रहा है। निगम अधिकारियों के अनुसार, शहर में चल रहे सीवर के अवैध कनेक्शनों को नियमित करवाने के लिए योजना बनाई जाएगी। इसको लेकर अवैध सीवर कनेक्शनों को लेकर इनको काटने की कार्रवाई शुरू की जा सकती है। सीवर कनेक्शन कटने के बाद ही लोग इनको नियमित करवाएंगे। निगम की तरफ से चारों जोन में अवैध कनेक्शनों की पहचान करने काम शुरू कर दिया है। प्रदीप दहिया, निगम आयुक्त, गुरुग्राम, सीवर के जितने भी अवैध कनेक्शन हैं, उनको नियमित करने के लिए योजना बनाई जा रही है।

होमगार्ड के 700 पद भरे जाएंगे, 203 पंचायत सचिव होंगे नियमितः मुख्यमंत्री सुक्खू

शिमला, एजेंसी।
हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में शनिवार को आयोजित कैबिनेट बैठक में जनहित से जुड़े कई अहम निर्णय लिए गए। बैठक में जहां गृह रक्षा एवं नागरिक सुरक्षा विभाग में 700 स्वयंसेवकों (होमगार्ड) की भर्ती को हरी झंडी दी गई, वहीं पंचायत सचिवों की सेवाएं नियमित करने, डिपॉजिट रिफंड योजना लागू करने और रेजिडेंट डॉक्टर नीति में संशोधन जैसे फैसले भी लिए गए।

एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि बैठक में वर्ष 31 मार्च 2025 तक दो साल की अनुबंध सेवा पूरी कर चुके जिला परिषद कैडर के 203 पंचायत सचिवों की सेवाएं नियमित करने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही पंचायती राज संस्थाओं के अध्यक्षों और सदस्यों के लिए वर्ष 2010 की तर्ज पर डि-नोवो आरक्षण रोस्टर शुरू करने को भी सैद्धांतिक मंजूरी दी गई।

स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ा बड़ा निर्णय लेते हुए कैबिनेट ने इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज, शिमला और डॉ. राजेंद्र प्रसाद राजकीय मेडिकल कॉलेज, टांडा में सीनियर रेजीडेंस के लिए पात्रता से पहले एक वर्ष की फील्ड पोस्टिंग की

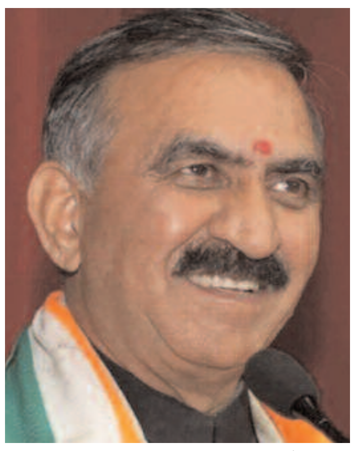

अनिवार्यता को समाप्त कर दिया है। यह संशोधन अटल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल सुपर स्पेशलिटीज, चमियाणा में अपनाई गई नीति के अनुरूप होगा। इसका उद्देश्य चयन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और सुगठित बनाना है।

कैबिनेट में हिमाचल प्रदेश रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (रेरा) के कार्यालय को शिमला से धर्मशाला स्थानांतरित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। साथ ही राज्य में गैर-बायोडिग्रेडेबल कचरे को कम करने और पर्यावरणीय संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए डिपॉजिट रिफंड स्कीम-2025 शुरू करने का निर्णय लिया गया। इस योजना के तहत उपभोक्ता निर्धारित उत्पाद खरीदते समय कुछ अतिरिक्त राशि जमा करेंगे, जो खाली कंटेनर लौटाने पर वापस मिल जाएगी। यह योजना कांच की बोतलों, प्लास्टिक और एल्यूमीनियम कंटेनरों, तरल पैकेजिंग और बहुस्तरीय पैकेजिंग जैसी सामग्रियों पर लागू होगी। इसे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया जाएगा। वन और पर्यावरण की दिशा में भी एक अहम निर्णय लेते हुए कैबिनेट ने हिमाचल प्रदेश वन विकास निगम को राज्य के वन क्षेत्रों में स्थित नदियों और तालाबों से लघु खनिजों को एकत्र करने और ड्रेजिंग ऑपरेशन की अनुमति दी है। इसका उद्देश्य बेहतर स्रोत प्रबंधन और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखना है। शिक्षा क्षेत्र में भी विस्तार करते हुए बैठक में सोलन जिले के रामशहर शिक्षा खंड को विभाजित कर बद्दी में नया प्रारंभिक शिक्षा खंड स्थापित करने का निर्णय लिया गया। इस नए खंड के संचालन के लिए आवश्यक पद सृजित किए जाएंगे।इसके अलावा कांगड़ा जिले के सुलह, भवारना और लम्बागांव तथा हमीरपुर जिले के भोरंज विकास खंड का पुनर्गठन करने का निर्णय भी लिया गया है।

एसटीएफ के हत्थे चढ़ा 1 लाख का इनामी अजय तिवारी, साथी भी गिरफ्तार; धोखाधड़ी के मामलों में था फरार

गोरखपुर , एजेंसी।
कभी शराब तस्करी में शामिल रहा गबन के आरोपी अजय तिवारी और उसके साथी रमेश यादव को गोरखपुर की एसटीएफ ने शनिवार की शाम कुशीनगर से दबोच लिया। अजय पर एक लाख रुपए का इनाम घोषित था। देवरिया में दर्ज धोखाधड़ी के कई मामलों में अजय फरार चल रहा था। देर रात तक कोतवाली पुलिस इनामी अजय और रमेश से पूछताछ कर रही थी। पुलिस के अनुसार उसने पूछताछ में शराब तस्करी कराने की बात भी कबूल की है।

शराब कारोबार में शामिल देवरिया के रामगुलाम टोला निवासी अजय तिवारी पुत्र चुम्मन तिवारी का 11 दिसंबर 2023 को बनकटा थाना क्षेत्र के जंजीरहा में पकड़ी गई अवैध शराब के मामले में नाम आया। इसके बाद इसके विरुद्ध लगातार जालसाजी के मुकदमे दर्ज होने लगे। 25 दिसंबर 2024 को सलेमपुर की ब्लाक प्रमुख सीमा सिंह ने अजय तिवारी, उसकी पत्नी जागृति चौधरी, रामचंद्र यादव व रमेश यादव के विरुद्ध 2.61 करोड़ का धोखाधड़ी का केस दर्ज कराया। इसके बाद 8 दिसंबर 2024 लार थाना क्षेत्र के बरडीहा दलपत निवासी अमरेश प्रताप सिंह ने अजय तिवारी, रामचंद्र यादव व रमेश यादव के विरुद्ध 1.14 करोड़ रुपये हड़प लेने का केस दर्ज कराया।

इसी तरह देवरिया खास की रहने वाली उमा जायसवाल ने 12 फरवरी 2025 को सदर कोतवाली में अजय तिवारी व उसकी पत्नी जागृति चौधरी पर धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कराया। 12 फरवरी को ही न्यू कालोनी निवासी संजय पांडेय ने अजय व उसकी पत्नी जागृति चौधरी के विरुद्ध धोखाधड़ी का केस दर्ज कराया। 21 मई 2025 को तिवारी टोला लार निवासी सोनू जायसवाल ने भी अजय तिवारी के विरुद्ध 69 लाख रुपये हड़प लेने का केस दर्ज कराया है।

केस दर्ज होने के बाद से ही अजय तिवारी, उसकी पत्नी औअन्य आरोपी फरार चल रहे थे। अजय तिवारी पर एक लाख रुपये का इनाम तो उसके साथी रमेश यादव निवासी सिरसिया महादेवा थाना रामपुर कारखाना के ऊपर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। अजय की गिरफ्तारी के लिए एसटीएफ लगाई गई थी। मिली जानकारी के अनुसार मुखबिर की सूचना पर एसटीएफ गोरखपुर की टीम ने अजय तिवारी और उसके साथी रमेश यादव को देर शाम कुशीनगर जनपद से दबोच लिया और कोतवाली लेकर चली आई। देर रात तक कोतवाली में एसओजी, एसटीएफ व कोतवाली पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही थी।

जम्मू-कश्मीर को भारत और पाकिस्तान के बीच दोस्ती का पुल होना चाहिए, युद्ध का मैदान नहीं: महबूबा मुफ्ती

कश्मीर , एजेंसी।
पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने भारत और पाकिस्तान के रिश्ते पर शनिवार को बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर को भारत-पाकिस्तान के बीच दोस्ती का पुल होना चाहिए, न कि युद्ध मैदान। मुफ्ती ने श्रीनगर में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर ने हमेशा युद्ध और हिंसा का दंश झेला है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर की तुलना 'दो लड़ते हाथियों के पैरों तले रौंदी गई घास' से की। मुफ्ती ने कहा, पीडीपी शांति के लिए आवाज उठाना जारी रखेगी और लोगों की भावनाओं को समझेगी। हमें युद्ध के डर को खत्म करना चाहिए ताकि लोग अपना जीवन आगे बढ़ा सकें और अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित कर सकें।

महबूबा मुफ्ती ने कहा, जम्मू-कश्मीर को समझ, दोस्ती और सहयोग का पुल बनना चाहिए, युद्ध का अखाड़ा नहीं। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने नेशनल कॉन्फ्रेंस नेतृत्व की ओर से हाल ही में की गई टिप्पणियों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इस तरह के बयान

खतरनाक मानसिकता को दर्शाते हैं। एनसी अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को तेज करने का आह्वान किया था। महबूबा मुफ्ती ने कहा, जब भारत सरकार ने सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया गया था, तब मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ही थे जिन्होंने इस कदम की सराहना की थी। यहां तक कि पाकिस्तान को पानी की आपूर्ति को तत्काल रोकने की वकालत की थी। पीडीपी चीफ ने कहा, 'पाकिस्तान की सरकार के साथ हमारे राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन वहां के लोगों के साथ नहीं। यह दुखद है कि देश के एकमात्र मुस्लिम बहुल राज्य के नेता की ओर से ऐसी टिप्पणियां की जा रही हैं।

मेट्रो स्टेशन पर जांच में दिव्यांग, गर्भवती महिलाओं को प्राथमिकता मिलेगी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

दिल्ली मेट्रो में यात्रा के लिए पहुंचने वाले यात्रियों की कुछ श्रेणी को अब सुरक्षा जांच में प्राथमिकता मिलेगी। जांच में जुटे सीआईएसएफ के जवान ऐसे लोगों को बिना कतार के सीधे सुरक्षा जांच कर अंदर प्रवेश करने देंगे।

इस विशेष श्रेणी में दिव्यांग, गर्भवती महिलाएं, नवजात बच्चे के साथ महिला, बुजुर्ग और घायल शख्स शामिल हैं। सीआईएसएफ अधिकारियों के अनुसार, दिल्ली मेट्रो में सफर के दौरान कभी-कभी सुरक्षा जांच के लिए लंबी कतार लग जाती है।

कई बार अधिक यात्रियों के एक साथ आने से ऐसी समस्या होती है। इस दौरान कई बार बुजुर्ग, महिलाएं एवं दिव्यांगों को सुरक्षा जांच के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है। इसका समाधान करने के लिए डीएमआरसी एवं सीआईएसएफ ने तय किया है कि उन्हें सुरक्षा जांच में प्राथमिकता दी जाएगी। वह बिना कतार के सीधे आगे आकर अपनी सुरक्षा जांच करवा सकेंगे। इस व्यवस्था से संबंधित जानकारी सुरक्षा जांच वाली जगह पर पोस्टर लगाकर यात्रियों को दी जा रही है। अधिकारियों के अनुसार सुरक्षा जांच के दौरान अगर किसी यात्री पर गलत ढंग से इस सुविधा का लाभ लेने का शक होगा।

लाइसेंस की आड़ में शहरीकृत गांवों में हो रही वसूली : कांग्रेस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने आरोप लगाया है कि भाजपा शासित दिल्ली नगर निगम लाइसेंस की आड़ में शहरीकृत गांवों में अवैध वसूली कर रही है। शहरीकृत गांवों में सीलिंग का खतरा भी मंडरा रहा है।

उन्होंने कहा कि 27 साल पहले भी भाजपा सरकार शहरीकृत गांव में लाइसेंस राज के जरिए परेशान करती थी। यादव ने कहा कि भाजपा शासित निगम की ओर से शहरीकृत गांवों में लघु उद्योगों को चलाने के लिए लाइसेंस के नोटिस भेजे जा रहे हैं और नोटिस की आड़ में लाइसेंस फीस से कहीं अधिक जबरन उगाही का धंधा चल रहा है।

उन्होंने कहा कि आप पार्टी हो या भाजपा दोनों ने ही दिल्ली के गांवों की उपेक्षा की है। पिछले 12 सालों में दिल्ली देहात की समस्याएं जस की तस हैं। गांवों में विकास के काम पूरी तरह से ठप हो चुके हैं। यहां पर पानी निकासी तक की सुविधा नहीं है। सरकारों ने इन्हीं गांव के लोगों से कौड़ियों के दामों में भूमि अधिग्रहण किया था, लेकिन लाल डोरे की

सीमाओं के भीतर ग्रामीणों को अपने व्यवसाय और रोजगार जारी रखने की राहत दी गई थी। लेकिन, अब छोटा-मोटा कारोबार चलाकर अपनी आजीविका चलाने वाले गांव वालों को लाइसेंस की आड़ में परेशान किया जा रहा है।

पिछली आप सरकार ने गांवों के विकास के लिए 318 परियोजना को चुनावी हथकंडा बनाकर झूठा प्रचार किया था। इसी तरह से भाजपा भी चुनावों में शहरीकृत गांव वालों की बात करती थी लेकिन अब यहां पर लाइसेंस की आड़ में सीलिंग का डर सता रहा है।

स्कूलों में फेलोशिप शिक्षण कार्यक्रम को अनुमति मिली

नई दिल्ली। राजधानी के सरकारी स्कूलों में फेलोशिप शिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत होगी।

शिक्षा निदेशालय ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए इसको अनुमति दे दी है। इसकी शुरुआत पांच स्कूलों से होगी। इसके बाद इसे अन्य में लागू किया जाएगा।

निदेशालय की ओर से जारी परिपत्र के तहत स्कूलों में कुल 50 कक्षाएं और 29 फेलो इस साझेदारी के तहत कार्यरत होंगे। सभी फेलो दो वर्ष तक पूर्णकालिक शिक्षण करेंगे।

साथ ही, छात्रों के शैक्षणिक और नेतृत्व कौशल को विकसित करेंगे।

यूपी में सांसद और विधायक की तरह जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुख के चुनाव की तैयारी, योगी से मिले राजभर

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले पंचायत चुनाव की तैयारियों के बीच प्रदेश सरकार जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुख चुनाव की प्रक्रिया में बड़े बदलाव की कोशिश में है। सांसद और विधायक की तरह ये दोनों चुनाव भी सीधे जनता से कराने को लेकर राज्य सरकार जल्द ही केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजेगी। सरकार की ओर से की जा रही तैयारियों को लेकर उत्तर प्रदेश में एनडीए के सहयोगी दल सुभासपा के अध्यक्ष और पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने संकेत दिए हैं। शुक्रवार की शाम उन्होंने इस संबंध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की थी। इस मुलाकात में उन्होंने योगी के सामने प्रस्ताव रखा कि जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लाक प्रमुख का चुनाव सीधे जनता से कराने के संबंध में प्रस्ताव तैयार कर केंद्र सरकार को भेजा जाए। पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर का कहना है कि मुख्यमंत्री ने उनके इस प्रस्ताव पर सहमति जताई। उन्होंने कहा कि वह पिछले चुनाव में ही यह चाहते थे। अधिकारियों से इसके लिए प्रस्ताव तैयार कराने के लिए कहेंगे। इस मुलाकात के दौरान ओम प्रकाश राजभर के पुत्र सुभासपा के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव अरविंद राजभर भी साथ थे। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारी शुरू हो गई है। शासन ने ग्राम पंचायतों का परिसीमन करने का निर्देश दिया है।

नर्स कर रही थी मोबाइल पर बात ! टेप काटने की जगह काट दी नवजात की ऊंगली

वेल्लोर, एजेंसी।
तमिलनाडु के वेल्लोर जिले के एक सरकारी अस्पताल में लापरवाही का ऐसा मामला सामने आया है, जिसे सुनकर हर कोई दंग रह गया। बताया जा रहा है कि एक नर्स की गलती से एक नवजात शिशु की उंगली ही कट गई। यह घटना 24 मई को घटी, जब वेल्लोर के अस्पताल में मल्लिपालयम निवासी विमलराज ने अपनी गर्भवती पत्नी निवेथा को भर्ती कराया था। कुछ ही घंटों बाद निवेथा ने एक बेटे को जन्म दिया।

डॉक्टरों के मुताबिक, बच्चे के शरीर में शुगर की मात्रा कम थी, इसलिए उसे ग्लूकोज चढ़ाया जा रहा था। इसी दौरान जब एक नर्स ग्लूकोज के सुई की जगह बदल रही थी, तब उसने टेप काटने के लिए कैंची का इस्तेमाल किया और गलती से नवजात की उंगली ही काट दी। आरोप है कि इस दौरान नर्स मोबाइल पर बात कर रही थी और पूरी तरह लापरवाह थी। पीड़ित पिता विमलराज ने बताया कि हादसे के बाद उन्हें करीब डेढ़ घंटे तक बच्चे से मिलने तक नहीं दिया गया। उनका कहना है कि यह सीधी-सीधी लापरवाही और अनदेखी है, जिसकी भारी कीमत उनके बच्चे को चुकानी

पड़ी। घटना सामने आने के बाद अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया। बच्चे को तुरंत बेहतर इलाज के लिए चेन्नई के स्टैनली अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां फिलहाल उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

वेल्लोर की जिलाधिकारी सुब्बुलक्ष्मी ने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। उन्होंने कहा, अगर यह साबित हो गया कि नर्स फोन पर बात कर रही थी, तो उसे सबसे सख्त सजा दी जाएगी। वैसे भी उस प्रक्रिया में कैंची की जरूरत ही नहीं थी, इसे हाथ से किया जा सकता था।

विचारधारा के सच्चे सिपाही है भजनलाल शर्मा इसीलिए सीएम बनाया है - जेपी नड्डा

जयपुर, एजेंसी।
रानी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर जयपुर में आयोजित महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने सरकार की योजनाओं और राजनीतिक दृष्टिकोण का रिपोर्ट कार्ड पेश किया। सम्मेलन में उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सराहना करते हुए कहा कि वे विचारधारा से जुड़े, जमीन से निकले और समर्पित कार्यकर्ता हैं, जिन्हें इसी निष्ठा के चलते प्रदेश की कमान सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री दिन-रात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को जन-जन तक पहुंचाने में जुटे हैं और यही कारण है कि पार्टी ने उन्हें नेतृत्व सौंपा है।

नड्डा ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले की सरकारें स्वार्थ और सत्ता के लिए काम करती थीं, जबकि भाजपा की सरकारें सेवा और जनकल्याण के लिए कार्य करती हैं। उन्होंने कहा, अगर फर्क करना है तो दिन को चुनिए, क्योंकि हमारी राजनीति अंधेरे में नहीं, उजाले में विश्वास करती है।

विपक्ष पर हमला बोलते हुए नड्डा ने कहा कि हमारे विरोधियों के पास न नीति है, न नीयत। वे केवल सत्ता की राजनीति करते हैं, जबकि भाजपा सेवा को राजनीति का आधार मानती है। महिला सुरक्षा के मोर्चे पर नड्डा ने 150 नई कालिका पेट्रोलिंग यूनिट को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने कहा कि महिलाओं

की सुरक्षा भाजपा की प्राथमिकताओं में है और यह कदम उसी दिशा में बढ़ाया गया है। स्वास्थ्य योजनाओं का ज़िक्र करते हुए उन्होंने बताया कि देशभर में 1.77 लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित किए जा चुके हैं। इसके साथ ही 30 वर्ष तक की महिलाओं की सर्वाइकल कैंसर और पुरुषों की हाइपरटेंशन की स्क्रीनिंग शुरू की जाएगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने संबोधन में रानी अहिल्याबाई के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनकी प्रेरणा से राज्य सरकार ने 5 कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास, 2 जनजातीय आश्रम छात्रावास और 150 महिला सुरक्षा वाहन शुरू किए हैं। सम्मेलन में 'लखपति दीदी योजना' के तहत 7.8 लाख महिलाओं को सशक्त किया गया है। 'लाडो प्रोत्साहन योजना' के अंतर्गत 2.3 लाख बालिकाओं को 1.5 लाख के बॉन्ड दिए गए हैं। इसके अलावा एसटी छात्राओं को प्री-मैट्रिक स्कॉलरशिप, दूरस्थ शिक्षा योजना, गर्गी पुरस्कार, कालीबाई स्कूटी योजना जैसी कई योजनाओं की भी सौगात दी गई।

नड्डा ने एमएनआईटी पहुंचकर स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और पौधारोपण भी किया। सम्मेलन में 'गर्भ की पाठशाला योजना', 'स्वस्थ नारी चेतना अभियान', 'गर्भावधि मधुमेह कार्यक्रम' और आयुष्मान भारत मिशन जैसी कई स्वास्थ्य पहलों का शुभारंभ किया गया। उन्होंने बताया कि 23 नए मेडिकल कॉलेजों के साथ 63 करोड़ लोगों को 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया गया है। इस महासम्मेलन में महिला शक्ति को समर्पित योजनाओं की झलक और सरकार की सेवा-नीति का स्पष्ट संदेश देखने को मिला।

सीआरपी के जांबाज सिपाही रामकुमार की शहादत को किया याद

✷ एनसीआर टुडे. हल्दौर ✷। राम कुमार की शहादत को याद किया। हल्दौर क्षेत्र के ग्राम बजीदपुर निवासी शहीद राम कुमार1988 में केरीपुबल में भर्ती हुए थे जो एक सप्ताह पूर्व दंतेवाड़ा में दुश्मनों से लोहा लेते हुए शहीद हो गए थे। जिनका विभागीय अधिकारियों ने सम्मान जनक अंतिम संस्कार कराया गया। उनके गांव बजीदपुर में स्मारक बनवाया गया रविवार को विभागीय अधिकारियों की एक टीम आयी हल्दौर थाने के तेजतर्रार इमानदार दरोगा मनीष कुमार के नेतृत्व में शहीद राम कुमार के स्मारक पर फूल अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई इस अवसर पर रामपुर से आए सीआरपीएफ इंस्पेक्टर अनु तोमर का. उदयवीर सिंह यशपाल सिंह, सुमित का. विवेक तथा धाना हल्दौर एसआई मनीष कुमार राजीव तोमर का. दुष्यंत कुमार आदि क्षेत्र के दर्जनों संभ्रांत लोग शामिल रहे।

ईद शांति पूर्वक संपन्न कराने के लिए थाने में हुई शांति समिति की बैठक

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। ईद्दुल अजहा से पूर्व नगर में शांति बनाए रखने के लिए आज थाना प्रांगण में शांति समिति की एक बैठक आयोजित की गई जिस में थाना क्षेत्र के प्रधान सम्मानित नागरिक व नगर के सामाजिक लोग उपस्थित रहे इनके साथ साथ नगर पालिका अधिशासी अधिकारी विद्युत विभाग के जे ई उपस्थि रहे इस मौके पर नगर में शांति से त्यौहार सम्पन्न इस पर अपने अपने विचार रखे साथ ही नगर में पानी व्यवस्था सफाई व्यवस्था व विद्युत व्यवस्था सही रहे इस पर विचार किया गया इस मौके पर धामपुर नायब तहसीलदार विजय कुमार व थाना अध्यक्ष धीरज सिंह ने सभी लोगों से आहवान किया कि नगर व छेत्र में अमन व शांति से त्यौहार मनाने का आहवान किया पुलिस हर तरह से आप का सहयोग करेगी इस मौके पर गांव के प्रधान नगर सम्मानित कारी गयास,कारी हारून,सभासद विशाल हाशमी,नबील अहमद सभासद,रवि गांधी,अंकुर शर्मा,आदि ने अपने विचार रखे बैठक का संचालन कपिल शर्मा ने किया।

वैश्य समाज में अपमानजनक टिप्पणी को लेकर रोष, SDM व CO को सौंपे ज्ञापन

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। धामपुर। अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन ने एक व्यक्ति द्वारा व्हाट्सएप -स्टेटस पर वैश्य समाज के प्रीति अपमानजनक टिप्पणी करने के विरोध में उपजिलाधि कारी ऋतु रानी व पुलिस क्षेत्राधिकारी को ज्ञापन सोपा। शनिवार को वैश्य समाज के लोग एकत्रित होकर एसडीएम कार्यालय पहुंचे, जहाँ पर उन्होंने एक ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। ज्ञापन में अवगत कराया कि वैश्य समाज को लेकर एक व्यक्ति द्वारा सोशल मीडिया पर उनके समाज के प्रति आपत्तिजनक टिप्पणी की गई है। जिसको लेकर समाज के लोगों में रोष व्याप्त है। उन्होंने कहा वैश्य समाज सबसे ज्यादा टैक्स देने वाला शांति प्रिय सच्चा देश भक्त समाज है। उन्होंने के माध्यम से करने की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में डा. आदित्य अग्रवाल, अंकुर गोपाल, सौरभ गुप्ता, नितिन अग्रवाल, वंश अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, यश गुप्ता, संजय अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

ड्यूटी पर गया युवक लापता, अनहोनी की आशंका

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर की देवेन्द्रपुरी स्थित नई कॉलोनी में डयूटी पर गया एक युवक संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। परिजनों ने अनहोनी की आशंका जताते हुए तहरीर दी है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर युवक की तलाश शुरू कर दी है। देवेन्द्रपुरी कॉलोनी स्थित नई कॉलोनी निवासी हेमंत चौरासिया दिल्ली की एक कंपनी में नौकरी करते हैं। दो दिन पहले वह डयूटी पर गए थे,लेकिन वापस नहीं आए। तलाश करने के बाद जब वह नहीं मिले तो परिजनों ने पुलिस को तहरीर दी है।

युवती के अपहरण मामले में चार पर रिपोर्ट दर्ज

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर थानाक्षेत्र के गांव बेगमाबाद स्थित एक कॉलोनी निवासी 22 वर्षीय छात्रा संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों ने पड़ोसी सहित चार पर अपहरण करने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। एक कॉलोनी निवासी 22 वर्षीय छात्रा 29 मई को मोदीनगर स्थित कॉलेज जाने की बात कहकर निकली थी,लेकिन वापस नहीं आई। काफी तलाश करने के बाद भी जब वह नहीं मिली तो परिजनों ने अंशुल,राहुल,चीनू व दीपक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर युवती की तलाश शुरु कर दी है।

चार वाहन चोर गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। दिल्ली सीमा के नजदीक लोनी ट्रोनिका सिटी थाना पुलिस ने रविवार को चेकिंग के दौरान पंचलोक गांव के सामने से चार वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। ट्रोनिका सिटी पुलिस पंचलोक गांव के सामने वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इस दौरान पुलिस ने चार युवकों को चेकिंग के लिए रोका। जांच में पता चला कि चारों गैंगस्टर के आरोप में वांछित है। पुलिस चारों को थाने ले आई पूछताछ में एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि चारों ने अपने नाम बिलाल निवासी इकराम नगर लोनी, इरशाद निवासी आर्य नगर लोनी, रजीम निवासी दौलत नगर ट्रोनिका सिटी व समद निवासी मुश्तफाबाद दिल्ली बताए। इन्होंने दिल्ली व आसपास के क्षेत्र से बाइक चुराने के बाद उनके स्पेयर पार्ट्स बेचना स्वीकार किया है।

मंदिर के दान पात्र से चोरी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। दिल्ली सीमा के नजदीक लोनी बार्डर थाना क्षेत्र की उत्तरांचल विहार सोसाइटी स्थित दुर्गा मंदिर में चोरों ने शनिवार देर रात दो दान पात्र के ताले तोड़कर हजारों रुपये की नकदी चुरा ली। मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने मौका मुआयना किया है। उत्तरांचल विहार सोसायटी में रहने वाले रणवीर सिंह दुर्गा मंदिर समिति के अध्यक्ष हैं। उन्होंने बताया कि शनिवार शाम मंदिर में पूजा अर्चना के बाद रात को बंद कर दिया था। देर रात चोरों ने मंदिर में रखे दोनों दान पात्र के ताले तोड़कर उसमें रखे करीब पचास हजार रुपये की नकदी चुरा ली। करीब एक वर्ष पहले भी चोर मंदिर के दान पात्र के ताले तोड़कर नकदी चुरा ले गये थे।

मिट्टी खनन ठेकेदारों ने डीएम और एसपी के आदेशों की उड़ाई धज्जियां

✷ एनसीआर टुडे. नूरपुर ✷

नगर में अवैध खनन का कारोबार चरम सीमा पर धड़ल्ले से चल रहा है। डीएम और एसपी के सख्त आदेश की उड़ा रहे खनन माफिया धज्जियां और कमा रहे मोटा मुनाफा।

नूरपुर में रात्रि भर चलता रहता है मिट्टी का अवैध खनन नहटौर चौराहे के पास का एक वीडियो सोशल मीडिया पर हुआ है वायरल। प्राप्त जानकारी के अनुसार नूरपुर में अवैध खनन का खेल जारी है।

खादर में रात के अंधेरे में जेसीबी डंपर से हो रहा खनन।, बेबस प्रशासन मौन बनकर मूकदर्शक बना बैठा है या कोई है और वजह कई नहीं होती कोई कार्रवाई। नूरपुर में मिट्टी खनन का कारोबार इन दिनों चरम सीमा पर बेखौफ चल रहा है।

थाना नूरपुर से महज एक किलोमीटर के अंतराल पर रात भर चलता है अवैध खनन। जबकि नगर के चौराहों पर रात्रि ड्यूटी करती है नूरपुर पुलिस रहती।

ग्रामीण खादर इलाकों से लेकर नूरपुर नगर तक, खनन माफिया बिना किसी रोक-टोक के जेसीबी और डंपरों की मदद से धरती की कोख को खोखला कर रहे हैं। इनकी इस हरकत से जहां पर्यावरण को गहरा नुकसान हो रहा है।

जनता अब प्रशासन से नहीं फर्जी कार्रवाई ...

नूरपुर। स्थानीय जनता की मांग है कि अब नहीं चाहती दिखावटी कार्रवाई । ग्रामीणों और स्थानीय सामाजिक संगठनों ने जिला प्रशासन से कड़ी और स्थाई कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है- अगर एक किसान को एक ट्राली मिट्टी उठाने के लिए परमिशन लेनी पड़ती है, तो माफिया खुलेआम जेसीबी और डंपर से खनन कैसे कर रहे हैं? 'हमें अब जुर्माना नहीं, गिरफ्तारी और जेसीबी और डंपर सीज चाहिए।

वीडियो आया सामने,पर भी प्रशासन क्यों है खामोश?

नूरपुर। बीती रात नूरपुर ब्लॉक के ठीक सामने अन्नपूर्णा होटल चौराहे इलाके में हो रहा मिट्टी का खनन। इलाके में जेसीबी और डंपर से हो रहे खनन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि किस तरह बड़े-बड़े वाहन रात के अंधेरे में खनन कर मिट्टी भरते नजर आते हैं। लेकिन प्रशासन या खनन विभाग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई।

सिर्फ नाम के लिए तैनात हैं अधिकारी स्थानीय सूत्रों की मानें तो जिले में खनन अधिकारी सिर्फ कागजों पर मौजूद हैं। जब भी ऐसी खबरें बाहर आती हैं, तो कार्रवाई के नाम पर खानापूर्ति और जुर्माना वसूली कर मामले को ठंडे बश्ते में डाल दिया जाता है। सफेद पोश खनन माफियों की पकड़ इतनी मजबूत है कि उनके ट्रैक्टर-ट्रालियों को न तो पुलिस चेक पोस्ट पर रोका जाता है और न ही किसी चौराहे पर। सूत्रों के मुताबिक एक ट्राली मिट्टी की कीमत 1000 से 1200 रुपए, डंपर सप्लाई कॉलोनियों में शहरी इलाकों में एक ट्रैक्टर ट्राली मिट्टी की कीमत 1000 से 1200 रुपए ली जा रही है।

कई कॉलोनियों में बड़े पैमाने पर डंपरों के जरिए मिट्टी का भराव हो रहा है। शहर की सड़कों पर ये मिट्टी लदी ट्रालियां बेधड़क दौड़ रही हैं, जिनसे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। शिकायतों का कोई असर नहीं, माफियाओं के हौसले बुलंद स्थानीय लोग और सामाजिक कार्यकर्ता लंबे समय से शिकायतें दर्ज कराते आ रहे हैं। कई बार वीडियो और तस्वीरें भी प्रशासन को सौंपी गई, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। यही वजह है कि माफियाओं के हौसले दिन-ब-दिन बढ़ते जा रहे हैं और दिन-रात धड़ल्ले से अवैध खनन जारी है।उपजाऊ जमीन हो रही बर्बाद, हादसों का भी खतरा विशेषज्ञों के अनुसार, अवैध खनन से पर्यावरणीय असंतुलन, भूमि कटाव, फसल की पैदावार में गिरावट, गिरावट, और ग्रामीण इलाकों में सड़क क्षति जैसे गंभीर प्रभाव सामने आ रहे हैं। ट्रैक्टर-ट्रालियों की तेज आवाजाही से ग्रामीण इलाकों में हादसे बढ़ गए हैं।

पत्रकारिता दिवस पर विचार गोष्ठी आयोजित, कई शख्सियतों को सम्मानित किया

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷

हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर अफजलगढ़-कालागढ़ रोड अगवानपुर स्थित खालसा पिज्ज़ा हट पर आदर्श प्रेस क्लब अफजलगढ़ द्वारा विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

किसान नेता सरदार ज्ञान सिंह की अध्यक्षता एवं आदर्श प्रेस क्लब अफजलगढ़ के अध्यक्ष एसएम असलम के संचालन में आयोजित कार्यक्रम में मीरी-पीरी खालसा एकेडमी के प्रधानाचार्य सरदार मनप्रीत सिंह संधू व नैनीताल कान्वेंट स्कूल के एमडी ठाकुर सूर्यकांत सिंह बतौर मुख्य अतिथि के तौर पर, व्यापार मंडल अफजलगढ़ के नगर अध्यक्ष नीरव रस्तोगी विशिष्ट अतिथि के रूप में एवं बीबीसी हिंदी के वरिष्ठ पत्रकार शहबाज अनवर मुख्य वक्ता की हैसियत से मंचासीन रहे।

कार्यक्रम में क्लब के अध्यक्ष एसएम असलम सहित पत्रकार साथियों सुभाष तोमर, फिरोज बेग, शाहिद अली एड., राजेंद्र चौहान, वेदपाल सिंह, आशीष धानिया, सरदार विक्रम सिंह, आदित्य शर्मा व गौरव गुप्ता आदि ने उपस्थित अतिथियों का बैज लगाकर एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस अवसर पर जहां एक ओर बार एसोसिएशन धामपुर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शाहिद अली एड. एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में सराहनीय योगदान के लिए शहबाज अनवर को शॉल ओढ़ाकर एवं शील्ड भेटकर सम्मानित किया गया वहीं दूसरी ओर कार्यक्रम की सफलता में सहयोग हेतू कामिल खान को भी एजाज से नवाजा गया।

उपस्थित समश्त पत्रकार बंधुओं, गणमान्य व्यक्तियों, एवं मंचासीन अतिथियों ने क्लब के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम के मुख्य संयोजक एसएम असलम को भी कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने पत्रकारों से जनहित, देश एवं समाज हित में निष्पक्ष पत्रकारिता करने का आह्वान किया वहीं अपने संबोधन में पत्रकारों ने मिशनरी पत्रकारिता का संकल्प दोहराते हुए पत्रकारिता का धर्म निभाने का यकीन दिलाया।

प्रोग्राम में वरिष्ठ पत्रकार शेख मौ. यूसुफ, अजमल हसन, वीरेंद्र अग्रवाल, युवा नेता शेख मौ. ज़ैद, वरिष्ठ नेता शेख इस्लामुद्दीन, शेख हसीब अहमद, पूर्व प्रधान अब्दुल वहाब, कमर आलम व शिक्षक सलीम अहमद आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

एक महीने से ठंडे पानी का वितरण जारी

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

नगीना एआई एमआई एम पार्टी नगीना कार्यकारणी के महासचिव एवं ई-रिक्शा शोरूम के मालिक जाविद भाई के सौजन्य से चिलचिलाती धूप में राहगीरों को राहत दिलाने के उद्देश्य से रेलवे फाटक नगीना के पास पिछले लगभग 1 महीने से ठंडे पानी का वितरण किया जा रहा है।

नगीना रेलवे फाटक के पास ई रिक्शा के शोरूम पर पिछले लगभग एक माह से रोजाना लगभग ठंडे पानी के लगभग 30 कैंपर मंगाकर ठंडे पानी का वितरण किया जा रहा है, जहां एक तरफ राहगीर और आने वाले लोग प्यास के शिद्दत से परेशान होते है, वहीं इंसानियत के नाते राहगीरो को ठंडा पानी दिया जा रहा है।

एमआईएम पार्टी के संगठन मंत्री मोबिन भाई उर्फ गुड्डू भाई एवं नगीना कार्यकारिणी के सचिव जावेद भाई ने जानकारी देते हुए बताया कि इस भीषण गर्मी में पानी पिलाना बहुत बड़ा पुण्य का काम है। इसलिए हम सभी को चाहिए कि सभी सामाजिक संस्थाएं जगह जगह कैंप लगाकरठंडे पानी तथा सरवत का वितरण कर पुण्य का हिस्सा बने उनका मकसद दोश्ती भाईचारा की भागीदारी के साथ एक दूसरे के दुख-दर्द में काम की सीख देना है। ई-रिक्शा शोरूम के मालिक जावेद भाई ने बताया कि जब तक तेज वर्षा नहीं होती जब तक हम ठंडे पानी पिलाने का सिलसिला जारी रहेगा।

इस मौके पर मोहम्मद जावेद नगर सचिव नगीना नगर अध्यक्ष सलीम अहमद बिट्टू उर्फ समसुल कमर गुड्डू उर्फ मोबिन नगीना बाजिद भाई रोहित कुमार आकाश कुमार ने तमाम राहगीरों को पानी पिलाकर दुआएं ली।

यमुना सिटी के 29 गांवों की बदलेगी सूरत

यमुना प्राधिकरण की ओर से गांवों के विकास के लिए जारी किए गए टेंडर

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷

यमुना विकास प्राधिकरण की ओर से यमुना सिटी के गांवों को बदहाली से बाहर निकलकर की योजना तैयार की गई हैं। यमुना प्राधिकरण ने अधिसूचित क्षेत्र के 29 गांवों के कायाकल्प के लिए योजनाएं तैयार की हैं। इन गांवों के विकास के लिए टेंडर भी जारी कर दिए गए हैं। इन गांवों में कचरा निश्तारण से लेकर पक्की सड़कों, पंचायत घर, ई-लाइब्रेरी और श्मशान घाट तक के निर्माण कार्य कराए जाएंगे।

यमुना प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि जिन गांवों की जमीन विकास परियोजनाओं के लिए अधिग्रहीत की गई है। वहां आधारभूत सुविधाओं का विकास प्राधिकरण की जिम्मेदारी है। इन्हीं के तहत गांवों की स्थिति सुधारने के लिए मई से विकास कार्य शुरू किए जा रहे हैं। जनस्वास्थ्य विभाग की टीम को सर्वे कराकर जरूरतों के अनुसार कामों की सूची तैयार की गई है। प्राधिकरण द्वारा जाफराबाद गांव में इंटरलॉकिंग टाइल्स और नाले के निर्माण के लिए 8.6 लाख का टेंडर जारी किया गया है।

वहीं फलैदा बांगर गांव में श्मशान घाट के लिए बाउंड्री वॉल और संपर्क मार्ग बनाने के लिए 9.31 लाख रुपये खर्च होंगे।ढमहोम्मदाबाद खेड़ा में श्मशान घाट तक सड़क और अन्य सुविधाओं पर 5.46 लाख की लागत आएगी। धुधेरा, सिरसा और मानिकपुर गांवों में पंचायत घर और ई-लाइब्रेरी की स्थापना के लिए 28 लाख रुपये मंजूर किए गए हैं। इसी प्रकार छांछल, अली अहमदनगर गढ़ी और मोहबालिपुर में भी पंचायत घर व ई-लाइब्रेरी के विकास कार्यों पर 25.19 लाख रुपये खर्च होंगे।

नंगला कंचन गांव में नाला निर्माण और इंटरलॉकिंग टाइल्स के लिए 26.48 लाख, वीरमपुर और धंसिया में 22.12 लाख, तीर्थली जोन में 39.34 लाख और जेवर बांगर में 36.88 लाख रुपये के विकास कार्यों को हरी झंडी दी गई है।

प्राधिकरण का लक्ष्य गांवों को स्मार्ट और आत्मनिर्भर बनाना है। अधिसूचित क्षेत्र के कुल 95 गांवों में से पहले चरण में 29 गांवों में काम शुरू हो रहा है। बाकी गांवों को भी चरणबद्ध तरीके से विकास योजनाओं में शामिल किया जाएगा।

नगर पालिका की लापरवाही, सड़क में गड्ढे से ठेले वाले हुआ नुकसान

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷

नगर के थाने से बड़े डाक घर की और जा रही सड़क में काफी गहरे-गहरे गड्ढे

होने के कारण एक व्यक्ति का ठेला पलटने से हजारों रुपए का नुकसान हो गया। धामपुर नगर निवासी पवन सैनी ओर वासु सैनी चाट का ठेला लगाने से अपने और अपने परिवार का पालन पोषण करते है।

जैसे ही रविवार की सायं को 5 बजे ठेला लेकर अपने घर से निकले तो धामपुर डाकखाने के सामने पहुंचें तो मार्ग में गहरा गड्ढा होने के करण उनका ठेला पलट गया जिससे दाल और दोने सड़क पर बिखर गए जिससे पवन सैनी का हजारों का नुकसान हो गया। ठेला पलटने से नाक पर चोट लग गई जिससे वह घायल हो गया। सूत्र का कहना है की एक वर्ष पूर्व इस सड़क का निर्माण हो रहा था। मगर कुछ व्यक्तियों द्वारा निर्माण रुकवा दिया गया, जिस के सड़क आज भी मार्ग में जगह-जगह गहरे गद्दे हो गए। जिस कारण आए दिन घटनाएं होती रहती है।

यदि नगर पालिका प्रशासन ने इस मार्ग को बनवाने में शीघ्र ध्यान नहीं दिया तो ऐसी घटनाएं आए दिन होती रहेंगी, यदि नगर की जनता का ग़ुस्सा फुट पड़ा तो मार्ग को बनवाने के लिए कही धरना प्रदर्शन शुरू न हो जाए।

ए टू जैड अल्ट्रासाउंड सेंटर का चेयरपर्सन पत्ति सहित कई गणमान्य लोगों ने किया उद्घाटन

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷

धामपुर मार्ग भारतीय स्टेट बैंक स्थित इकबाल गार्डन के समीप A2 Z अल्ट्रासाउंड केंद्र का मास्टर फजलुर रहमान, चेयर पर्सन पति जावेद विकार एवं डॉक्टर मोहम्मद अजीज,के द्वारा शुक्रवार को संयुक्त रूप से अल्ट्रासाउंड केंद्र का उद्घाटन किया।

जिसमें डॉक्टर मोहम्मद अजीम ने बताया हमारे यहां सभी प्रकार के अल्ट्रासाउंड एवं एक्स-रे आदि किए जाते हैं। उन्होंने कहा हमारे यहां अल्ट्रासाउंड की बड़ी मशीन है जो आसपास यहां उपलब्ध नहीं है।

उन्होंने कहा हमारे यहां लेडिज का अल्ट्रासाउंड लेडिस के ही द्वारा किया जाएगा और मर्द का अल्ट्रासाउंड मर्द डॉक्टर के द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा हमारे यहां अल्ट्रासाउंड की सुविधा 24 घंटे उपलब्ध रहेगी, अल्ट्रासाउंड के उद्घाटन में डॉक्टर मोहम्मद अजीम ने बताया कि मेरा मकसद क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करना मेरा एक सपना था क्षेत्र में एक अल्ट्रासाउंड की बेहतर जरूरत थी जो सभी क्वालिटी की मशीनों के द्वारा अल्ट्रासाउंड की सुविधा दी जाएगी। गरीब जनता को इसका सही लाभ मिल सके।

इस अवसर पर जहां राजनीतिक सामाजिक एवं पत्रकारों वही अल्ट्रासाउंड केंद्र का उद्घाटन जावेद विकार चेयरपर्सन पति नगर पालिका अफजलगढ़ सलीम अंसारी एडवोकेट वरिष्ठ भाजपा नेता इकराम अली राजू राठी समाजसेवी नवेद विशाल, उबेद विशाल, डॉक्टर वसीम,, मास्टर फजलुर रहमान, मोहम्मद नदीम,, अब्दुल बारी,, मोहम्मद हनीफ, राजकुमार, सुनील कुमार, मोहम्मद अब्दुल्लाह, नेता इस्लामुद्दीन, सलीम अहमद, सर्वजीत सिंह हुनदल ,हाजी मोहम्मद इदरीश, डॉ मोहम्मद शेख मोहम्मद ज़ैद बसपा नेता मोहसिन डॉ मासूक अली डॉ अब्दुल मलिक डॉ सलमान सैफी शेख मोहम्मद यूसुफ पत्रकार मोहम्मद कफील पत्रकार मोहम्मद सावेज अहमद अमानत हुसैन पत्रकार एस ऍम असलम वरिष्ठ पत्रकार अली खान आदि लोग उपस्थित रहे।

नेशनल परिवार एकता संगठन बना दबे कुचले पीड़ित लोगों की आवाज

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷

नगर में स्थित जसपुर काशीपुर मार्ग पर मौहल्ला बेगम सराय में नेशनल परिवार एकता संगठन के मुख्य कार्यालय का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व चेयरपर्सन पति शेख इरशाद हुसैन,चेयरपर्सन पति जावेद विकार व पूर्व चेयरपर्सन पति एडवोकेट सलीम अंसारी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।

वही नेशनल परिवार एकता संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शावेज़ अहमद ने सभी पदाधिकारियों से संगठन को मजबूत बनाने सहित गरीबों मजलूमों की मदद करने का भरोसा दिलाया।

रविवार को नगर के मोहल्ला बेगम सराय में स्थित नेशनल परिवार एकता संगठन के मुख्य कार्यालय के शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व चेयरपर्सन पति शेख इरशाद हुसैन,चेयरपर्सन पति जावेद विकार व पूर्व चेयरपर्सन पति सलीम अंसारी एडवोकेट ने संयुक्त रूप से फीता काट किया।

कार्यक्रम के शुभारंभ के दौरान मुख्य अतिथि पूर्व चेयरपर्सन पति शेख इरशाद हुसैन व चेयरपर्सन पति जावेद विकार ने कहा कि आज अफजलगढ़ की सरजमीं पर नेशनल परिवार एकता संगठन के कार्यालय का जो शुभारंभ हुआ है। हम नेशनल परिवार एकता संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शावेज़ अहमद व कोषाध्यक्ष कफील अहमद सहित संगठन के पदाधिकारियों को यकीन दिलाते है। कि अगर आप के संगठन को हम लोगों की जरूरत पड़ेगी तो हम सभी लोग हमेशा संगठन के लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े मिलेंगे। उन्होंने संगठन के सभी लोगों से कहा कि आप सभी लोग गरीबी की मदद करो एक दिन यह संगठन अफजलगढ़ की पहचान बनेगा। नेशनल परिवार एकता संगठन समाज में दबे कुचले पीड़ित लोगों की सहायता के लिए एक अच्छा संगठन है। वही पूर्व चेयरपर्सन पति सलीम अंसारी एडवोकेट ने कहा कि आज जो नेशनल परिवार एकता संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शाहवेज अहमद व कोषाध्यक्ष कफील अहमद द्वारा कस्बा अफजलगढ़ से संगठन की शुरुआत कि गई यह संगठन एक दिन बहुत आगे जाएगा। इसकी पहचान बिजनौर जनपद सहित उत्तर प्रदेश में होगी।

संगठन बनाने की एक अच्छी पहल है। संगठन को हम सभी लोग मिलकर हमेशा सहयोग करेंगे। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष शावेज़ अहमद ने कहा कि हमारा संगठन हर एक व्यक्ति की मदद करने में आगे रहेंगे। सभी पदाधिकारियों से संगठन को मजबूत बनाने की अपील की। वही राष्ट्रीय अध्यक्ष शावेज़ अहमद सहित मुख्य अतिथियों द्वारा कार्यकर्ताओं को नियुक्ति प्रमाण पत्र और आईडी कार्ड देकर उन्हें संगठन की प्रति मजबूत बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व चेयरपर्सन पति शेख इरशाद हुसैन तथा संचालन शुऐब कुरैशी ने किया।

शाहनवाज खलील ने किया इलेक्ट्रिक इंडिया ट्रेडर्स का उद्घाटन

एनसीआर टुडे. नगीना। शाहनवाज खलील ने इलेक्ट्रिक इण्डिया ट्रेडर्स का फीता काटकर उद्घाटन किया। रविवार को मुख्य अतिथि शेख शाहनवाज खलील ज़िला अध्यक्ष चेयरमैन संघ बिजनौर अपने समर्थकों के साथ स्थानीय रायपुर रोड, निकट नगीना पार्क के सामने पहुंचे जहां उन्होंने इलेक्ट्रिक इण्डिया ट्रेडर्स का फीता काट कर उदघाटन किया।

इलेक्ट्रिक इण्डिया ट्रेडर्स के स्वामी शाहनवाज़ आलम अंसारी ने उद्घाटन मे आये सभी लोगो का स्वागत किया। इलेक्ट्रिक इण्डिया ट्रेडर्स के स्वामी ने बताया की हमारे यहां ई-रिक्शा, स्कूटी, थ्री व्हीलर ऑटो सी.एन.जी., इन्वर्टर, बैटरा, सोलर, फ्रिज, वाशिंग मशीन, आदि सामान उचित मूल्य पर मिलेगा। अशरफ अंसारी, खलील अहमद, परवेज़ आलम,अब्दुल्ला, आसिफ खमर,अब्दुल आहाद, दीपक, शानू, तेजपाल, शमीम, अकबर, अबरार अहमद, हुमायु अहमद, फैज़ान, रोहताश सिंह, रामवतार,तुलाराम, फ़रीज़, शेख़ जमशेद आदि लोग मौजूद रहे।

मोबाइल चोर को पकड़कर पुलिस को सौंपा

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷

पिंक सिटी-2 कॉलोनी निवासी दीपक सिंह ने बताया कि बाबा इलेक्ट्रिकल नाम से दुकान है। 27 मई को उनका मोबाइल चोरी कर लिया गया। उन्होंने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज की मदद से चोर की पहचान की। 31 मई को शाम को उन्होंने आरोपी को बराही मंदिर के पास देखा। उन्हें देखते ही आरोपी भागने लगा। इसके बाद दीपक सिंह और उनके मामा खन्ना ने मिलकर पीछा कर आरोपी को पकड़ लिया। उसे पुलिस को सौंप दिया गया है।

पति समेत तीन पर मुकदमा दर्ज

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

पति समेत दो अन्य के खिलाफ महिला ने एक्सप्रेसवे थाने में केस दर्ज कराया। सेक्टर-134 स्थित जेपी क्लासिक सोसाइटी निवासी महिला ने शिकायत में बताया कि वह यहां दो बच्चों के साथ रहती है। पति उससे अलग उसी सोसाइटी में रहता है। महिला का आरोप है कि पति गौरव सिंगल अपने भाई और भाभी के साथ मिलकर उसे परेशान कर रहा है। तीनों अनर्गल बातें लिखकर महिला को धमकी दे रहे हैं। 25 मई को रात साढ़े आठ बजे के शिकायतकर्ता महिला सोसाइटी के बेसमेंट से गाड़ी निकाल रही थीं। इसी दौरान पति गौरव, नीलिमा और मनोज आ गए और अश्लील भाषा का इश्तेमाल करने लगे। सोसाइटी में न रहने देने और बच्चों को उठा लेने और ससुर के पुश्तैनी मकान और संपत्ति पर नजर रखने पर मारने की धमकी दी।

यौन उत्पीड़न के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷

बीटा-2 कोतवाली पुलिस ने शनिवार को लोकल इंटेलिजेंस की सूचना पर शादी का झांसा देकर यौन उत्पीड़न के मामले में वांछित आरोपी को जीरो प्वाइंट के पास से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बीटा-2 निवासी प्रियांक मिश्रा के रूप में हुई है। कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार का कहना है कि प्रियांक ने एक महिला को शादी का झांसा देकर उसका यौन उत्पीड़न किया। पीड़िता का निजी वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी दी।

संपादकीय

तो सेना अलग : सरकार अलग!

6-7 मई की रात्रि पाकिश्तानी आतंकी अड्डो पर एयर स्ट्राइक किये जाने और बाद में पाकिश्तान के साथ खुले युद्ध में भारतीय सेना ने अनुपम शौर्य और कुशल रणनीति का परिचय दिया जिसके चलते पाकिश्तान में अधिकांश हवाई अड्डे तबाह हो गये, उसकी रक्षा प्रणाली एक तरह से ध्वश्त हो गई।

दूसरी तरफ उसकी तरह से किये गये ड्रोन और मिसाइल हमलों को बेकार कर दिया गया। इसे लेकर सेना के समर्थन में कांग्रेस पार्टी एक तरफ जयहिंद यात्रा निकाल रही है तो दूसरी तरफ मोदी सरकार पर हमले कर रही है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी आये दिन सरकार से इस सम्बन्ध में तरह-तरह के सवाल पूछ रहे हैं। कह रहे हैं कि बताओं कितने लड़ाकू विमान नष्ट हुये जबकि दुनिया भर के विशेषज्ञ यह कह रहे हैं कि इस छोटे से युद्ध में भारत ने जो कमाल दिखाया है तो उसकी शक्ति का लोहा पूरी दुनिया मान रही है। इसके पूर्व जब 2016 में भारतीय सेना ने उरी में स्ट्राइक और 2019 में बालाकोट में एयर स्ट्राइक की, तब भी कांग्रेस समेत विपक्ष का रवैया यही था कि जो कुछ किया है, भारतीय सेना ने किया है, भला सरकार का इसमें क्या श्रेय। यह बात और है कि ये लोग तब भी सरकार से स्ट्राइक का प्रमाण भी माँग रहे थे। ऐसी स्थिति में बड़ा सवाल यह कि क्या सेना और सरकार इस तरह से अलग है कि उनके बीच कोई सम्बन्ध ही नहीं है।

वश्तुतः सेना सरकार का ही एक अंग है जो सरकार के रक्षा मंत्रालय के अधीन काम करती है। गौर करने की बात यह है कि क्या वगैर राजनीतिक नेतृत्व के सेना कोई बड़ा निर्णय या कदम उठा सकती है। यह इससे समझा जा सकता है कि जब वर्ष 2008 में मुम्बई में 26/11 हुआ, तब सेना पाकिश्तान से दो-दो हाथ करना चाहती थी जिसे लेकर अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जार्ज बुश ने लिखा है कि मनमोहन सरकार ने सेना को पाकिश्तान के विरूद्ध कोई कदम उठाने की छूट इसलिये नहीं दी कि इससे हिन्दू राष्ट्रवाद की भावना का विश्तार होगा जिसका लाभ भाजपा को मिलेगा। यहाँ तक कि पाकिश्तानी भारतीय सैनिकों का सिर काट ले जाते थे पर भारत सरकार के रवैये के चलते यूपीए के दौर में सेना कुछ नहीं कर पाती थी. यदि सेना ही ऐसे मामलों में सब कुछ होती तो 1962 में जब चीन-भारत में युद्ध हुआ और भारतीय सेना के पास अस्त्रों का अभाव तो था ही, पैरों में पहनने के लिये सही जूते तक नहीं थे क्योंकि तब नेहरू सरकार सेना को मजबूत करने के बजाय पंचशील के कबूतर उड़ा रहे थे।

सरकार के इस उदासीन रवैये के चलते भारतीय सेना को कितनी शर्मनाक पराजय मिली थी, यह सभी को पता है। यूपीए शासन के दौर में सेना के पास बुलेट प्रूफ जैकेट तक नहीं होती थी। राफेल विमानों की खरीदी को लेकर तब के रक्षामंत्री एन्टोनी ने संसद में कह दिया था कि राफेल लड़ाकू विमानों के खरीदने के लिये सरकार के पास रूपये नहीं हैं। ऐसी स्थिति में सेना सफलतापूर्वक कैसे कोई अभियान चला सकती या युद्ध लड़ सकती थी। आखिर राफेल विमानों के दम पर ही पाकिश्तान की सीमा पर प्रवेश किये वगैर ही आतंकवादी अड्डो पर एयर स्ट्राइक कर दी गई। इस मामले में कांग्रेस पार्टी का रवैया पूरी तरह दोहरे मापदण्ड वाला है। 1971 में जब भारत और पाकिश्तान के बीच युद्ध हुआ और पूर्वी पाकिश्तान की जगह स्वतंत्र बांग्लादेश का निर्माण हुआ तो इस पैमाने के आधार पर कांग्रेस पार्टी को इसका श्रेय सेना को देना चाहिए था लेकिन तब इसका श्रेय न तो सेना को न तब के रक्षा मंत्री और यहाँ तक कि इंदिरा सरकार को भी नहीं दिया गया था।

इसका एक मात्र श्रेय श्रीमती इंदिरा गांधी को दिया गया था और यह कहा गया कि श्रीमती इंदिरा गांधी ने इतिहास का नहीं, भूगोल भी बदल दिया है। निश्चित रूप से ऐसे संवेदनशील एवं राष्ट्र से जुडे मामलों में भी कांग्रेस पार्टी का रवैया पूरी तरह से अंध विरोध का रहता है। लोगो को यह भी पता होगा कि वर्ष 1999 में करगिल युद्ध के दौरान तब की कांग्रेस पार्टी की अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी ने कहा था- ''वाजपेयी सेनाओं को कटवा रहा है। ऐसी बातों से जहाँ सेनाओं का मनोबल गिरता है तो दूसरी तरफ विश्व-फलक पर पाकिश्तान ऐसी बातों का उपयोग करता है। बड़ी बात यह कि यूपीए शासन के दौर की तरह सेना को कोई छूट ही नहीं दी गई, उसके हाँथ बंद रखे गये तो सेना क्या कर लेगी जबकि मोदी सरकार ने सेना को हाथ खोलने की खुली छूट दी।

दूसरी तरफ ऐसे मामले में भाजपा का रवैया पूरी तरह अलग रहता है। चाहे 1962 चीन के साथ युद्ध रहा हो, या 1965 एवं 1971 का पाकिश्तान के साथ युद्ध रहा हो, भाजपा जो तब जनसंघ पार्टी थी, वह पूरी तरह सरकार के साथ खड़ी थी। प्रचार तो यहाँ तक किया जाता है कि तब जनसंघ के नेता अटल बिहारी वाजपेयी ने इंदिरा गांधी को दुर्गा कहा था। हांलाकि इसमें कोई सच्चाई नहीं है लेकिन यह सच है कि उस दौर में वाजपेयी ने इंदिरा गांधी को देश का एकमात्र नेता बताया था। यानी देश के प्रधानमंत्री के साथ पूरा देश एकजुट है- ऐसा एहसास कराया था। लेकिन यह तब होता है जब राजनीति राष्ट्र के लिये होती है। निहित स्वार्थों एवं मात्र सत्ता की राजनीति करने वाले या तो अंध समर्थक हो सकते हैं, या अंध विरोधी। बड़ी बात यह भी कि देश में कोई भी बड़ा काम हो, उसमें सरकार की भूमिका किसी न किसी रूप में होगी ही।

'आपरेशन सिंदूर' के बाद 'आपरेशन बंगाल' की चुनौती

डा. रवीन्द्र अरजरिया

देश की राजनीति निम्नता की चरम सीमा पर पहुंचती जा रही है। समाज सेवा के सर्वोच्च मापदण्डों पर स्थापित सत्ता के गलियारों में अब सिंहासन तक पहुंचने के लिए व्यक्तिगत, जातिगत, क्षेत्रगत, भाषागत, सम्प्रदायगत जैसे मुद्दों को प्रचारित किया जा रहा है ताकि वर्ग-विभाजन करके वोट बैंक में इजाफा किया जा सके। राष्ट्रीय सुरक्षा की कीमत पर भी लोकप्रियता की ऊंचाइयां पाने की मंशा में पागल हो चुके चन्द राजनेताओं ने अपनी भाषा, हावभाव और आचरण से देश की अस्मिता को तार-तार करना शुरू कर दिया है।

'आपरेशन सिंदूर' तक पर विपक्षी दलों ने मनमाने आरोप लगाना शुरू कर दिये हैं। प्रमाणिकता की परिधि से कहीं दूर जाकर सोशल मीडिया पर उत्तेजनात्मक संवाद, दृश्य और दृष्टान्त डलवाये जा रहे हैं ताकि सामाजिक एकरसता को विभाजित करके चौधरी बना जा सके। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की निजी जिन्दगी तक को निशाने पर लिया और सेना के पराक्रम पर केन्द्रित 'आपरेशन सिंदूर' की तर्ज पर 'आपरेशन बंगाल' करने की चुनौती तक दे डाली। चुनावी समर में रोहिंग्या, बंगलादेशी सहित अन्य विदेशी घुसपैठियों की दम पर जीत का दावा करते हुए तत्काल चुनाव कराने, मुक्त संवाद करने तथा सीधा मोर्चा खोलने की बात कहने वाली तृणमूल कांग्रेस की मुखिया ने अपनी तानाशाही का परचम एक बार फिर फहराने की कोशिश ही की है।

अतीत गवाह है कि ममता बनर्जी पर हमेशा से ही राष्ट्रद्रोहियों, घुसपैठियों तथा असामाजिक तत्वों को आश्रय देने के आरोप लगते रहे है। अतिगम्भीर आरोपियों का पक्ष लेकर राज्य सरकार ने संदेशखाली में महिलाओं का यौन शोषण, जबरन वसूली, जमीन हडपने जैसे आपराधिक कृत्यों के आरोपियों को कथित रूप से बचाने हेतु उच्चतम न्यायालय तक के दरवाजे पर दश्तक तक दी थी। राज्य सरकार की ओर से प्रश्तुत की गई याचिका पर सवालिया निशान लगाते हुए जस्टिस बी. आर. गवई और जस्टिस के. वी. विश्वनाथन की बेंच ने पश्चिम बंगाल सरकार के वकील अभिषेक सिंहवी से पूछा था कि एफआईआर चार साल पहले दर्ज की गई थी।

आरोपी कौन है? गिरफ्तारियां कब की गईं? किसी को बचाने में राज्य सरकार की दिलचस्पी क्यों होना चाहिए? उल्लेखनीय है कि संदेशखाली काण्ड में तृणमूल कांग्रेस नेता शाहजहां शेख, शिबू हाजरा, उत्तम सरदार, रंजू, संजू सहित अन्य लोगों के नाम उभर कर सामने आये थे। केन्द्रीय एजेन्सियों के कामों में दखल देने से लेकर राज्यपाल की गरिमा तक को प्रभावित करने वाली पार्टी की तानाशाही के सामने देश का संविधान जार-जार आंसू रोता रहा है। मुर्शिदाबाद में 70 प्रतिशत से अधिक पहुंच चुकी मुस्लिम आबादी ने अब वहां जेहादी परचम फहराना शुरू कर दिया है।

कश्मीरी हिन्दुओं की तर्ज पर गैर मुस्लिम समुदाय को क्षेत्र छोडने की धमकी दी जा रही है। पश्चिम बंगाल उच्च न्यायालय द्वारा गठित जांच समिति ने मुर्शीदाबाद काण्ड के लिए

ममता सरकार को पूरी तरह कटघरे में खड़ा कर दिया हैं। जांच आख्या में तृणमूल कांग्रेस के नेताओं व्दारा दंगा भडकाने तथा नेतृत्व करने, स्थानीय प्रशासन व्दारा निष्क्रियता बरतने, केवल हिन्दुओं को निशाना बनाने, पुलिस व्दारा जानबूझकर उपेक्षा करने जैसे अनेक खुलासे किये गये हैं। वहां के राज्यपाल सी. वी. आनन्द बोस ने गृह मंत्रालय को भेजी अपनी रिपोर्ट में तो कट्टरपंथ और उग्रवाद को प्रदेश के लिए बडा खतरा बताते हुए बंगलादेश की सीमा पर स्थित मुर्शीदाबाद, दिनाजपुर और मालदा जिलों में अल्पसंख्यक हो चुके हिन्दुओं की सुरक्षा पर भी प्रश्नचिन्ह अंकित किये हैं। मुर्शीदाबाद का पूरा घटनाक्रम पहले से निर्धारित षडयंत्र की व्यवहारिक परिणति थी।

मालूम हो कि इसी क्षेत्र में 14 दिसम्बर 2019 में सीएए के विरोध में रेलवे स्टेशन, बसों, सार्वजनिक प्रतिष्ठानों, हिन्दुओं की दुकानों-मकानों-वाहनों तक में तोडफोड-लूटपाट की गई थी। लालगोला और कृष्णापुर स्टेशन पर 5 ट्रेनों में आग लगा दी गई थी। सूती में पटरियां तोड दी गईं थी।

उस दौरान वहां मौजूद पुलिसकर्मियों पर मूकदर्शक बने रहने के आरोप लगाये गये थे। सन् 2024 में रामनवमी उत्सव के दौरान मुर्शीदाबाद के शक्तिपुर क्षेत्र में हिंसा भडकी थी। जुलूस पर छतों से पत्थरों के प्रहार किये गये थे। बंगाल का नार्थ 24 परगना, कोलकता, हावडा, साउथ 24 परगना, मालदा, मुर्शीदाबाद जैसे अनेक जिले मुस्लिम बाहुल्य हो गये हैं।

गैर मुसलमानों को निरंतर प्रताडित किया जा रहा हैं। 'फैक्ट फाइंडिंग टीम' की रिपार्ट के अनुसार पश्चिमी बंगाल में बंगलादेशी, रोहिग्या सहित अनेक विदेशी घुसपैठिये भारी संख्या में मौजूद हैं जिन्हें फर्जी दश्तावेजों के सहारे भारतीय नागरिक घोषित कराया गया है।

आये दिन होने वाली हिंसक घटनाओं से भय और असुरक्षा का वातावरण निर्मित करके क्षेत्र से गैर मुसलमानों को भगाने का सुनियोजित षडयंत्र अब तेज होता जा रहा है। वहां पर एनजीओ, समाज सेवी संस्थाओं, धार्मिक संस्थाओं, समितियों, ट्रस्ट आदि की आड लेकर कट्टरपंथियों की जमातें राजनैतिक दलों के संरक्षण में अपने मंसूबे पूरे करने में जुटीं हैं।

कहा जा रहा है कि पश्चिम बंगाल में असोमोयेर अलोर बाटी तथा गोल्डन स्टार ग्रुप जैसे संगठन बनाकर राजेश शेख, बशीर शेख, महबूब आलम, कौसर तथा मुश्तकिन जैसे असामाजिक तत्व तृणमूल कांग्रेस के नेता बनकर सरकारी संरक्षण में सिमी, पीएफआई आदि प्रतिबंधित संगठनों के लिए निरंतर काम कर रहे हैं। ब्लड डोनेशन कैम्प, कल्याणकारी योजना, लाचारों की सहायता, जरूरतमंदों को सामग्री की आपूर्ति जैसे दिखावटी आयोजनों से कट्टपंथी विचारधारा वालों को चयनित करके उन्हें देशद्रोही अभियान में झौंका जा रहा है।

वर्तमान परिदृश्य के आधार पर कल की तस्वीर बेहद डरावनी प्रतीत हो रही है। अभी तो केवल बानगी ही सामने आये हैं। समूचे देश में सीमापार से चलाये जा रहे खतरनाक षडयंत्रों को यदि समय रहते नश्तनाबूद नहीं किया गया तो आन्तरिक कलह की संभावना बढते समय के साथ बलवती होती चली जायेगी। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

घातक साबित हो सकती है सैन्य पराक्रम को लेकर की जाने वाली राजनीति

तनवीर जाफ़री

पहलगाम में हुये पाक प्रायोजित हमले के बाद भारतीय सेना की ओर से किये गये ऑप्रेशन सिन्दूर के बाद सत्ताधारी दल भारतीय सेना के शौर्य को भुनाने में लग गया है। निश्चित रूप से हमारे सैनिकों ख़ासकर भारतीय वायु सेना ने जिस बहादुरी के साथ पाक अधिकृत कश्मीर सहित पाकिश्तान के कई आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया उससे भारतीय जनता का मनोबल भी ऊँचा हुआ है साथ ही पाकिश्तान भी अपनी औक़ात को समझ चुका है।

परन्तु जिस तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस सैन्य शौर्य का राजनीतिकरण करने की कोशिश की जा रही है इस पर सवाल ज़रूर उठाये जा रहे हैं। ख़ासकर प्रधानमंत्री के उस चित्र को लेकर जिसमें वे सैन्य वर्दी में एक लड़ाके की भूमिका में, पृष्ठभूमि में वायुसेना के लड़ाकू विमान के साथ प्रचारित किये जा रहे हैं।उधर भारत की तरफ़ से कई रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व कई अन्य ज़िम्मेदार नेताओं द्वारा पाक अधिकृत कश्मीर को भारत में पुनः शामिल करने को लेकर सार्वजनिक रूप से बातें की जा रही हैं। और इसी बीच भारतीय वायुसेना प्रमुख ने सरकार की आँखें खोलने वाले कुछ बयान भी दिये हैं। साथ ही सरकार द्वारा शुरू की गयी अग्निवीर योजना पर भी सवाल उठाये जा रहे हैं। पिछले दिनों सीआईआई वार्षिक बिजनेस समिट में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति में भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ़ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने ख़ास तौर पर स्वदेशी सैन्य परियोजनाओं की ओर इशारा करते हुए रक्षा सौदों में देरी के मामलों की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि तेजस Mk1A फ़ाइटर जेट की डिलीवरी रुकी हुई है। जो फ़रवरी 2021 में हिंदुश्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ 48,000 करोड़ रुपये में हुई थी। उन्होंने कहा कि ऑर्डर किए गए 83 विमानों में से अब तक एक भी विमान हमें नहीं दिया गया है, जबकि इसकी डिलिवरी मार्च 2024 में ही शुरू होने वाली थी। तेजस Mk2 का प्रोटोटाइप अभी तक रोल आउट नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि तेजस सहित कई बड़ी डील हुईं, पर अभी तक डिलीवरी का पता नहीं। प्रमुख एयर चीफ़ मार्शल ने रक्षा ख़रीद परियोजनाओं में देरी पर गंभीर चिंता जताते हुये स्वदेशी प्रोजेक्ट्स का ज़िक्र किया और साफ़ तौर से यह कहा कि हमें जो चीज़ आज चाहिए, वो आज ही चाहिए।

युद्ध, सेनाओं को सशक्त बनाकर जीते जाते हैं। इसी तरह स्टील्थ AMCA फ़ाइटर का भी अभी तक कोई प्रोटोटाइप नहीं है। उन्होंने कहा कि कई बार डील के कॉन्ट्रैक्ट पर दश्तख़त करते वक़्त ही हमें पता होता है कि ये सिस्टम कभी भी समय पर नहीं मिलेंगे। उन्होंने कहा कि - मैं कोई एक भी ऐसी योजना नहीं बता सकता हूं जो समय पर पूरी हुई हो। प्रमुख एयर चीफ़ मार्शल की यह टिप्पणी ऐसे समय में आयी है जब वायुसेना मोदी सरकार की 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के तहत तेज़ी से स्वदेशीकरण और घरेलू क्षमता पर ज़ोर दे रही है।

दूसरी तरफ़ सरकार द्वारा चलायी गयी अग्निवीर योजना को लेकर भी तरह तरह के सवाल उठने लगे हैं। विपक्ष तो इस योजना को लेकर शुरू से ही आक्रामक था जबकि सरकार तरह तरह के तर्क देकर इस योजना के फ़ायदे गिनाने में लगी है। परन्तु अग्निवीर को लेकर अब जो सच्चाइयां सामने आ रही हैं वह भी भारतीय सेना के लिये चिंता बढ़ाने वाली हैं। इस समय सेना में अधिकारी रैंक के 16.71% पद रिक्त हैं। क्योंकि हर साल 60 हज़ार सैन्यकर्मी सेवानवृत्त भी हो रहे हैं। जबकि भर्ती का अनुपात इसके विपरीत है। कोरोना काल के दौरान ही 2 वर्ष तक सेना में भर्ती पूरी तरह बंद थी। रक्षा मंत्रालय द्वारा हाल ही में संसद की स्थायी समिति को दी गयी जानकारी के अनुसार इस समय भारतीय सेना में एक लाख से ज़्यादा सैनिकों की कमी है। इस समय सेना की कुल संख्या 12.48 लाख है, जबकि एक लाख से अधिक पद ख़ाली हैं। इसकी एक वजह अग्निवीर योजना से घटा युवाओं का रुझान माना जा रहा है। दरअसल अग्निवीर सैन्य भर्ती योजना अथवा अग्निपथ योजना 2022 में लागू की गयी थी। इसके अंतर्गत भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना में युवाओं को चार साल की अवधि के लिए 'अग्निवीर' के रूप में भर्ती किया जाना है। इन्हीं चार वर्षों के सेवाकाल में ही 6 महीने की प्रशिक्षण अवधि भी शामिल है। 4 वर्ष की सैन्य सेवा के बाद 25% अग्नि वीरों को तो नियमित सैन्य सेवा में स्थायी रूप से शामिल किया जा सकता है परन्तु शेष अग्निवीरों को 'सेवा निधि पैकेज' के रूप में लगभग 11-12 लाख रुपये और अनुभव प्रमाणपत्र के साथ विदा किये जाने का प्रावधान है। इस सेवा निधि पैकेज में अग्निवीर और सरकार दोनों का ही योगदान है।

इसके बावजूद अग्निवीर योजना के प्रति युवाओं के घटते रुझान का मुख्य कारण यह है कि यह योजना छोटी अवधि, लागत-प्रभावी और युवा-केंद्रित सैन्य सेवा पर ज़ोर देती है, जबकि सामान्य सैनिकों की भर्ती लंबी अवधि की स्थायी सेवा और दीर्घकालिक लाभों पर आधारित है। अग्निवीर योजना को आधुनिक सैन्य ज़रूरतों और बजट प्रबंधन के लिए डिज़ाइन किया गया है, लेकिन यह स्थायी नौकरी की चाह रखने वाले युवाओं के बीच विवादास्पद रही है। इस योजना के अनुसार 4 साल का छोटा कार्यकाल और सीमित प्रशिक्षण सैनिकों को पूर्ण रूप से युद्ध के लिए तैयार नहीं करता, जिससे युवा इसे जोखिम भरा मानते हैं। इसके अलावा, 4 साल बाद नागरिक जीवन में पुनर्स्थापन के लिए पर्याप्त समर्थन की कमी भी एक बड़ी चिंता का विषय है। यही कारण है कि अग्निवीर भर्ती के प्रति युवाओं का रुझान विशेष रूप से उन राज्यों में कम हुआ है, जहां सेना में भर्ती पारंपरिक रूप से लोकप्रिय थी। इसका मुख्य कारण नौकरी की अनिश्चितता, पेंशन की कमी, और दीर्घकालिक भविष्य है।

हालांकि, सरकार ने हरियाणा जैसे राज्यों में अग्निवीरों के लिए सरकारी नौकरियों में आरक्षण और अन्य प्रोत्साहन देने की कोशिश की है, लेकिन यह अभी भी युवाओं के असंतोष को पूरी तरह दूर नहीं कर पाया है। यही वजह है कि हरियाणा जैसे राज्यों में, जहां पहले प्रत्येक वर्ष लगभग 5,000 युवा सेना में भर्ती होते थे, अग्निवीर योजना के बाद यह संख्या घटकर केवल 250 तक रह गई है। ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में भी, 2022-23 में 73,000 युवाओं ने भर्ती के लिए पंजीकरण कराया, लेकिन अग्निवीर योजना लागू होने के बाद मैदान में तैयारी करने वाले युवाओं की संख्या में 80% की कमी देखी गई। लिहाज़ा ऑपरेशन सिंदूर का श्रेय लेने और इसका चुनावी लाभ उठाने बजाये सैन्य विशेषज्ञों की सलाह पर तत्काल अमल किया जाये और सैन्य क्षमता को लेकर उठ रही उनकी चिंताओं का यथाशीघ्र समाधान किया जाये क्योंकि दुर्भाग्यवश भारत इस समय चारों ओर से असुरक्षित है। ऐसे में सैन्य पराक्रम को लेकर की जाने वाली राजनीति घातक साबित हो सकती है।

रामसेतु राष्ट्रीय धरोहर स्मारक घोषित हो

संजय गोस्वामी

इसरो के जोधपुर और हैदराबाद राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थानों के वैज्ञानिकों ने रामेश्वरम द्वीप और रामसेतु के निर्माण का श्रेय प्राकृतिक भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं को दिया है, जिसमें टेक्टोनिक गतिविधि, वायु क्षरण और समुद्री क्रियाएं शामिल हैं। पैलियोग्राफिक साक्ष्य संकेत देते हैं कि लगभग 6,000 से 7,000 साल पहले, पंबन के पास समुद्र का श्तर अपने वर्तमान श्तर से लगभग 17 मीटर नीचे था; लगभग 10,000 साल पहले, यह लगभग 60 मीटर कम था और लगभग 20,000 साल पहले अंतिम हिमनद के दौरान, समुद्र का श्तर वर्तमान श्तरों से लगभग 120 मीटर नीचे था।

इस सिद्धांत के अनुसार कि रामसेतु प्राकृतिक रूप से बलुआ पत्थर, चूना पत्थर और मिट्टी के अवसादन से उत्पन्न हुआ था, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) का मानना था कि धनुषकोडी और थलाइमन्नार 2003 में, इसरो के समुद्री और जल संसाधन समूह ने भारतीय रिमोट सेंसिंग उपग्रहों के डेटा का विश्लेषण किया - विशेष रूप से, आईआरएस-पी4 (अप्रैल 2002) से महासागर रंग मॉनिटर डेटा और आईआरएस-1डी (मार्च-मई 2000) से लिस-III डेटा - यह जांचने के लिए कि क्या राम सेतु मानव निर्मित था या प्राकृतिक कोरलीन संरचना थी।

यह परिकल्पना की गई थी कि 103 छोटे, रैखिक पैच रीफ से बना यह पुल कार्बनिक कोरलीन जमा को ओवरले करता है। इसका रैखिक आकार बताता है कि भारतीय प्रायद्वीप कभी श्रीलंका से जुड़ा था। हालांकि, नासा की छवियों की वैकल्पिक व्याख्याओं ने राजनीतिक और धार्मिक दृष्टिकोण पेश किए, कुछ लोगों ने अनुमान लगाया कि राम सेतु कृत्रिम रूप से बनाया गया था नासा के अधिकारी मार्क हेस ने कहा कि द्वीपों की श्रृंखला की उत्पत्ति या आयु के बारे में कोई प्रत्यक्ष जानकारी नहीं है, न ही यह कि उनके निर्माण में मनुष्यों की कोई भूमिका थी।

नल और नील दोनों रामायण काल के बड़े इंजीनियर थे. उन्होंने जांच मुआयना और सर्वे के बाद समुद्र पर पत्थर बिछाकर ये पुल बांधा था राम सेतु निर्माण में हनुमान ने नल और नील को हर पत्थर पर राम का नाम लिखने में मदद की, ताकि पत्थर आपस में चिपक जाएं और पुल मजबूत रहे. रावण की हार और राम की वानर सेना से जुड़े युद्ध के समापन के बाद, उन्होंने क्या किया? अगर पूछा जाए कि समुद्र पर देश का पहला बड़ा पुल किसने बनाया, तो सबूतों के आधार पर जवाब होगा राम सेतु।

अगर वानर सेना के दो इंजीनियर वानरों नल और नील ने रामसेतु नहीं बनाया होता है तो श्रीराम के लिए अपनी सेना को लंका तक पहुंचाना मुश्किल हो जाता. भारतीय न्यायालयों में दायर याचिकाओं के हिस्से के रूप में प्रश्तुत की गई छवियों ने यह सुझाव देते हुए सबूत प्रदान किए कि राम सेतु न केवल एक मानव निर्मित संरचना से बनाया गया है, बल्कि यह लगभग 1.75 मिलियन वर्ष पुराना है, जो कि त्रेता युग में भगवान राम के काल (भारतीय पौराणिक कथाओं के अनुसार) के दौरान हुआ था। यह कोई छोटी संरचना नहीं थी; यह कई किलोमीटर तक फैली हुई थी। हालाँकि उस समय औपचारिक रूप से इंजीनियरिंग नहीं पढ़ाई जाती थी, लेकिन नल और नील ने यह कारनामा कर दिखाया। सैटेलाइट इमेज, वैज्ञानिक अध्ययन और चल रही जांच सभी रामेश्वरम से श्रीलंका तक फैले एक पुल के अशितत्व का समर्थन करते हैं, जिसमें समुद्र के नीचे पत्थरों की एक स्पष्ट रेखा दिखाई देती है। यह समय-सीमा होमो सेपियंस की उत्पत्ति के साथ मेल नहीं खाती है, जो लगभग 200,000 साल पहले विकसित हुई थी, न ही लगभग 100,000 साल पहले भारतीय उपमहाद्वीप पर पहली बश्तियों के साथ। कई द्वीप श्रृंखलाएँ और समुद्री पहाड़ियाँ - जैसे कि फिलीपींस और जापान में सबडक्शन-ज़ोन ज्वालामुखी के परिणामस्वरूप, हवाई द्वीप लिथोस्फेरिक आंदोलन के कारण, आइसलैंडिक मध्य-महासागर लकीरें, सेंट हेलेना के पास परिवर्तन दोष, और कैरिबियन और लैटिन अमेरिका में समुद्री अवसादन - भूवैज्ञानिक इतिहास में सामान्य विशेषताएं हैं।

इनमें से कई समुद्री संरचनाएँ बेसाल्टिक हैं, जो आग्नेय गतिविधि के ठंडा होने से बनी हैं। इसके विपरीत, राम सेतु में किसी भी ज्ञात आग्नेय या ज्वालामुखीय आधार का अभाव प्रतीत होता है। मद्रास विश्वविद्यालय में प्राकृतिक खतरों और आपदा अध्ययन केंद्र के वी. राम मोहन के अनुसार, पुल के लिए भूवैज्ञानिक स्पष्टीकरण परिस्थितिजन्य साक्ष्य पर आधारित हैं, प्रचलित सिद्धांत यह है कि बढ़ी हुई तलछट या समुद्र तल सहसंबंध सबसे प्रशंसनीय स्पष्टीकरण प्रदान करता है। मद्रास विश्वविद्यालय के कुलपति एस. रामचंद्रन ने उल्लेख किया कि राम सेतु में देखी गई गतिशील तलछट प्रक्रियाएँ अटलांटिक तट के साथ आम हैं।

इसके अलावा, प्रसिद्ध भूविज्ञानी एन. रामानुजम ने बताया कि पुल का निर्माण भारतीय प्लेट के अपने दक्षिणी क्षेत्रों से अलग होने, यूरेशियन भूभाग से टकराने और उसके बाद टेक्टोनिक गतिविधि और तलछट के कारण हुआ - जिसका एक परिणाम कावेरी बेसिन है। इस प्रक्रिया के कारण रिज संरचनाओं का विकास हुआ, जिसके बाद कोरल और एटोल संरचनाएँ बनीं, जिसने धनुषकोडी और थलाइमन्नार स्पिट्स से जमा को आकर्षित किया, जिससे राम सेतु के लघु द्वीपों जैसे पनडुब्बी शोल का निर्माण हुआ।

यह जटिल विद्वत्तापूर्ण व्याख्या भारतीय जनता के लिए काफी पेचीदा थी। 2007 की शुरुआत में, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के समर्थन से, भारत सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में एक हलफनामा प्रस्तुत किया जिसमें कहा गया कि रामसेतु अंततः ज्वार की क्रिया और अवसादन के परिणामस्वरूप एक प्राकृतिक संरचना थी। कोरल की उपस्थिति के आधार पर, एएसआई ने तर्क दिया कि संरचना मानव निर्मित नहीं थी और इसलिए, इसे ऐतिहासिक या पुरातात्विक स्मारक के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जा सकता है।

नतीजतन, इस प्राचीन संरचना को चटर्जी-एडम ब्रिज विनियमों के तहत एक स्मारक के रूप में संरक्षण के लिए अयोग्य माना गया हालांकि, सितंबर में सरकार ने न्यायालय से हलफनामा वापस ले लिया। संस्कृति मंत्रालय ने हलफनामे में कम से कम तीन खंडों को हटाने का सुझाव दिया था, जिन्हें पवित्र हिंदू मान्यताओं के विपरीत माना जा सकता था; लेकिन हलफनामे को प्रस्तुत किए जाने से पहले उनमें से केवल दो को हटाया गया। हटाए नहीं गए खंडों में से एक रामायण की ऐतिहासिकता की कमी से संबंधित था, जिसने जल्द ही विवाद को जन्म दे दिया। संस्कृति मंत्री ने इस मामले पर अपना इश्तीफा दे दिया, जबकि वाणिज्य मंत्री, जो उसी राजनीतिक गुट से हैं, ने कहा कि यदि वे संबंधित विभाग के प्रमुख होते तो वे भी इश्तीफा दे देते।

हिंदू मुन्नानी नामक एक धार्मिक समूह सेतुसमुद्रम परियोजना के विरोध में रामसेतु को राष्ट्रीय पुरातात्विक धरोहर के रूप में सूचीबद्ध करने की मांग कर रहा है। 2007 में, मद्रास उच्च न्यायालय ने हिंदू मुन्नानी द्वारा दायर तीन याचिकाओं को सर्वोच्च न्यायालय में स्थानांतरित कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप सेतुसमुद्रम परियोजना को स्थगित कर दिया गया। भारतीय पुरातत्व संस्थान (एएसआई), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के रूप में, वैज्ञानिक तरीकों की वकालत करता है और पौराणिक मान्यताओं से खुद को दूर रखता है।

इसने तर्क दिया कि वाल्मीकि रामायण, तुलसीदास की रामायण और अन्य पौराणिक ग्रंथ निस्संदेह भारतीय साहित्य का एक प्राचीन हिस्सा हैं, लेकिन उन्हें ऐतिहासिक अभिलेख नहीं कहा जा सकता है जो निर्विवाद रूप से पात्रों के अशितत्व या उनमें घटनाओं की घटना को साबित करते हैं। हालांकि, लीग के सदस्यों और समर्थकों के विरोध के सामने, सरकार ने भगवान राम की धार्मिक ऐतिहासिकता और हिंदू धर्म में उनके महत्व को कायम रखते हुए समझौता करने की कोशिश की।

हलफनामा तैयार करने वाले भारतीय सामाजिक अनुसंधान संस्थान के दो सदस्यों को सुप्रीम कोर्ट से वापस लेने के बाद निलंबित कर दिया गया था। धर्मनिरपेक्ष टिप्पणीकार प्रफुल बिदवई उन कई लोगों में से एक थे जिन्होंने सरकार की आलोचना की थी कि यह दृष्टिकोण स्वीकार करना कि आस्था को हमेशा इतिहास, पुरातत्व और यहां तक कि भूविज्ञान पर हावी होना चाहिए - जो एडम ब्रिज जैसी प्राकृतिक संरचनाओं के अशितत्व की व्याख्या करता है - और यह स्वीकार करना कि परियोजना को तथ्यों के बजाय मिथकों और शास्त्रों के कारण रद्द कर दिया जाना चाहिए।

दिसंबर 2008 में, इमेजेस ऑफ इंडिया नामक एक सरकारी प्रकाशन संसद में पेश किया गया था। भारत की राष्ट्रीय सुदूर संवेदन एजेंसी द्वारा प्रकाशित, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अध्यक्ष जी. माधवन नायर की प्रश्तावना के साथ, यह पुस्तक एक अलग दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है, जो पिछली ज्ञान-मीमांसा संबंधी विनम्रता को पलटते हुए मौन रूप से इस दावे का समर्थन करती है कि पुल मानव निर्मित हो सकता है।

जिसकी प्रतिध्वनि प्राचीन भारतीय पौराणिक महाकाव्य, रामायण में है वाक्यांश महाकाव्य से संबंध दर्शाता है। जब शोध चल रहा था, एक पुश्तक ने दावा किया कि पुल को भारतीय पौराणिक कथाओं से जुड़े प्राचीन इतिहास के उदाहरण के रूप में देखा जाता है । इसके बाद, भाजपा प्रवक्ता प्रकाश जावड़ेकर (बाद में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री नियुक्त) ने कहा कि विज्ञान ने कांग्रेस की राजनीति पर विजय प्राप्त की है, और सरकार अब केवल भगवान राम को ही नहीं बल्कि राम सेतु को भी स्वीकार करने के लिए मजबूर है।

विवाद पर बाद में टिप्पणी करने वाली निवेदिता मेनन ने इस बात पर प्रकाश डाला कि जबकि भारतीय राज्य लगातार धर्मनिरपेक्षता का हवाला देकर धार्मिक आस्था को वैज्ञानिक तथ्यों के खिलाफ खड़ा करता है, हिंदू दक्षिणपंथी वाश्तव में इस बात पर जोर दे रहे थे कि संरचना मानव निर्मित थी और इसलिए ऐतिहासिक साक्ष्य के अधीन थी, ठीक इसलिए क्योंकि यह पौराणिक नहीं थी; यह प्राकृतिक नहीं है, भगवान द्वारा बनाई गई है। धार्मिक प्रदर्शनकारियों और धर्मनिरपेक्षतावादियों दोनों के लिए, मोक्ष विज्ञान पर निर्भर प्रतीत होता था।

जबकि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने कहा कि रामायण राम सेतु के प्रमाण के रूप में काम नहीं करती है, भाजपा भगवान के पदचिन्हों पर चलती रही, कभी-कभी विज्ञान का हवाला देती रही, और सरकार ने भी देवता के नाम का जप किया। इस बीच, वैज्ञानिकों और तर्कवादियों के एक नए समूह ने तमिलनाडु तट पर पारिस्थितिक आपदा की आशंका जताते हुए सेतुसमुद्रम परियोजना का विरोध करना शुरू कर दिया। सेतुसमुद्रम और चूना पत्थर के टीलों को ध्वश्त करने के कुछ मुखर समर्थक भी पारिस्थितिक आधार पर परियोजना के खिलाफ चेतावनी दी।

एडम्स ब्रिज 2004 की सुनामी के प्रकोप को रोकने के लिए एक किले के रूप में काम कर सकता था, जिसने दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया के बड़े हिस्से को तबाह कर दिया था। हालाँकि इस समूह ने पुल की पवित्र पौराणिक कथाओं को बड़े पैमाने पर खारिज कर दिया, इसे एक प्राकृतिक संरचना के रूप में देखा और पारिस्थितिक विचारों पर जोर दिया, इस दृष्टिकोण ने पुल के धार्मिक और धर्मनिरपेक्ष दोनों दृष्टिकोणों को प्रभावित किया, जैसा कि अप्रैल 2008 में सुप्रीम कोर्ट के फैसले में परिलक्षित होता है।

सेतुसमुद्रम का विरोध करने वाले धार्मिक प्रदर्शनकारियों से अदालत के सवालों ने पुल की पवित्र स्थिति को स्वीकार करने या अस्वीकार करने की जटिलता को उजागर किया। पीठ ने पूछा, समुद्र के बीच में कौन पूजा करता है? इसका तात्पर्य यह है कि यदि यह कभी साबित हो गया - या हो सकता है - कि पुल अनुष्ठानों के लिए इश्तेमाल की जाने वाली एक पवित्र भूमि थी, तो यह रामायण की ऐतिहासिकता के प्रमाण के रूप में भी काम कर सकता है।

बाद की सुनवाई में, हिंदू मुन्नानी का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील सोली जे. सोराबजी ने कहा कि अदालत की भूमिका यह निर्धारित करना नहीं है कि क्या इस तरह की मान्यताओं को इतिहास या विज्ञान के माध्यम से स्थापित किया जा सकता है, बल्कि केवल उसके सामने कानूनी मुद्दों पर निर्णय लेना है न्यायालय की भूमिका यह निर्धारित करना है कि संबंधित आस्था हिंदुओं द्वारा वाश्तव में या ईमानदारी से लंबे समय से रखी गई है और यदि हां, तो क्या यह अनुच्छेद 25 द्वारा गारंटीकृत धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे में आता है। रामसेतु पर पूजा करने, प्रसाद चढ़ाने और अनुष्ठान करने का अधिकार हिंदू अनुयायियों की आस्था का एक अभिन्न अंग है; इसलिए, कोई भी सरकारी कार्रवाई जो रामसेतु को नुकसान पहुंचाती है या उसका आंशिक विनाश करती है, या जिसके परिणामस्वरूप वहां पूजा करने के अधिकार का विलुप्त या प्रतिबंध होता है, वर्तमान में धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन करता है। जबकि बेंच ने सवाल किया कि क्या इसी तरह के तर्क हिमालय, तिरुमाला पर्वतमाला या मथुरा में गोवर्धन पहाड़ी जैसे अन्य पवित्र स्थलों पर लागू किए जा सकते हैं - जिन्हें हिंदू पवित्र मानते हैं और जो विकास गतिविधियों से संरक्षित हैं।

1992 में, मुगल शासक बाबर द्वारा अयोध्या में एक प्राचीन राम मंदिर के कथित विनाश से क्रोधित भीड़ ने 1529 से वहां खड़ी बाबरी मस्जिद को ध्वश्त कर दिया। इस स्थल को राम का पौराणिक जन्मस्थान माना जाता है। सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के बाद 22 जनवरी, 2024 को राम मंदिर का उद्घाटन किया गया।

अधिवक्ता परासरन ने चेतावनी दी कि यदि ड्रेजिंग गतिविधियाँ रामसेतु को प्रभावित करती हैं, तो यह एक बार फिर कई हिंदुओं के मन में घाव कर सकती है जो एक स्थायी निशान छोड़ सकती है। रामसेतु न केवल भू-ऐतिहासिक दृष्टि से बल्कि मनोवैज्ञानिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह समकालीन मीडिया कथाओं में परिलक्षित लोककथाओं के रूपांकनों के विकास के माध्यम से भारतीय चेतना में अंतर्निहित है।

प्रतीकात्मक जल-स्थान या एक प्रदर्शन किए गए जल-स्थान के रूप में, रामसेतु अपनी विभिन्न अभिव्यक्तियों और कई व्याख्याओं और उपयोगों का समर्थन करने में सक्षम है। यह ज्ञानमीमांसा का उत्थान, एक्वापेलजिक कल्पनाओं के भीतर राम के पराक्रम और शौर्य को दर्शाता है यह पुल भगवान राम की वानर सेना द्वारा माता सीता को रावण के चंगुल से बचाने के लिए तैरते हुए पत्थपरों से बनाया गया था।

आवश्यकता है कि रामसेतु के अभियान में शामिल हो। राम सेतु को राष्ट्रीय स्मारक का दर्जा नहीं मिला है। अधिनियम में प्रावधान है कि ऐतिहासिक, सांस्कृतिक या स्थापत्य महत्व वाले 100 वर्ष से अधिक पुराने किसी भी स्थल को राष्ट्रीय महत्व का स्मारक घोषित किया जा सकता है। 19 जनवरी, 2023 को केंद्र ने शीर्ष अदालत को बताया था कि वह राम सेतु को राष्ट्रीय धरोहर स्मारक घोषित करने से संबंधित मुद्दे पर विचार कर रहा है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

315 का जुगाड़ करो... पंडित जी को बुक करना है , दरोगा और मुखबिर की बातचीत का ऑडियो वायरल

अमेठी , एजेंसी। यूपी के अमेठी में मुसाफिरखाना कोतवाली में तैनात एक सब इंस्पेक्टर का कथित ऑडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल ऑडियो में दरोगा और एक स्थानीय युवक (जिसे पुलिस का मुखबिर बताया जा रहा है) के बीच अवैध हथियार की व्यवस्था करने और एक निर्दोष व्यक्ति को झूठे केस में फंसाने की साजिश की बातचीत हो रही है। ऑडियो में सब इंस्पेक्टर कथित रूप से कहता सुनाई दे रहा है, 315 का जुगाड़ करो... पैसे मुझसे ले लेना, एक-दो घंटे में चाहिए। पंडित जी को बुक करना है। इसके अलावा वह रात में ही व्यक्ति को जेल भेजने और तमंचे के बदले एडवांस में पैसे देने की बात भी करता है। सूत्रों के अनुसार यह मामला सात मई का बताया जा रहा है। जब एक युवक को थाने बुलाकर अवैध हथियार के आरोप में फंसाने की योजना बनाई गई थी। अपर पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि वायरल ऑडियो को संज्ञान में लिया गया है। इसकी निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। जांच के उपरांत जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

कार की किस्त मांगने गए थे..मनबढों ने मैनेजर पर कर दी फायरिंग- एक गिरफ्तार, 5 फरार

गोरखपुर । बेलघाट इलाके के सोपाई गांव में फाइनेंस कंपनी के एरिया सेल्स मैनेजर पर अवैध पिस्टल से फायरिंग करने के एक आरोपी को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। 28 मई को कार की किस्त मांगने गए मैनेजर पर आरोपी ने हमला किया था। आरोपी की पहचान क्षेत्र के ही चौतरा पट्टी के करुणेश दुबे के रूप में हुई। आरोपी से पूछताछ कर पुलिस ने उसे जेल भिजवा दिया।

बेलघाट थाना प्रभारी विकास नाथ ने बताया कि मामले में शुक्रवार को दो आरोपियों रुपेश और राज को गिरफ्तार कर जेल भिजवाया जा चुका है। इनके पास से घटना में प्रयुक्त अवैध पिस्टल भी बरामद कर ली गई थी।

बिहार के पटना कदम कुंवा निवासी चोलामंडपम इन्वेस्टमेंट कंपनी के एरिया सेल्स मैनेजर अमित सरन की तहरीर पर रुपेश, करुणेश, करन सिंह, विकास सिंह, अंशुमान त्रिपाठी और राज सिंह के खिलाफ बेलघाट थाने में केस दर्ज किया गया था। इसमें तीन आरोपी पकड़े जा चुके हैं, अन्य की तलाश चल रही है।

एरिया सेल्स मैनेजर अमित सरन ने आरोप लगाया कि कंपनी के कर्मचारी विकास श्रीवास्तव के साथ बेलघाट सोपाई निवासी गुड्डी देवी के घर कार की फाइनेंस प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए 28 मई को गए थे। फरवरी माह में गाड़ी लेने के बाद से फाइनेंस कार्रवाई पूर्ण करने में वह आनाकानी कर रही थीं।

इस दौरान इनके घर और गांव के सहयोगी रुपेश, करुणेश, करन, विकास, अंशुमान, राज उन्हें और साथी को जान मारने के लिए अवैध पिस्टल से फायर कर दिए।

खंभे पर चढ़ फाल्ट ठीक कर रहा था, करंट लगने से नीचे गिरा लाइनमैन- गंभीर रूप से घायल

गोरखपुर , एजेंसी। बिजली निगम का एक लाइनमैन रविवार की सुबह फाल्ट ठीक करने के दौरान करंट की चपेट में आ गया। मौजूद साथ के साथियों ने आनन-फानन में घायल लाइनमैन को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि बिजली के खंभे से सीधे नीचे जमीन पर गिरने की वजह से सिर में गंभीर चोट लग गई है। धर्मशाला बाजार उपकेंद्र के सुमेर सागर पर बिजली फाल्ट ठीक करने के लिए लाइनमैन पहुंचे थे। फाल्ट वाले खंभे पर चढ़कर तार के जंपर को ठीक करने का काम कर रहे थे। इसी बीच अचानक करंट वाले केबल के संपर्क में आ गए। बताया जा रहा है कि खंभे पर दो फीडर से केबल जा रहा था।

बिजली कटौती पर रात में उपकेंद्रों पर हुआ जमकर हंगामा, जाम की सड़क

लखनऊ , एजेंसी। भीषण गर्मी और उमस में चार घंटे से ज्यादा समय तक बिजली गुल रहने से अहिबरनपुर उपकेंद्र के अंतर्गत आने वाले इलाकों के उपभोक्ता खौल उठे। शनिवार रात करीब एक बजे सड़क पर उतार आए। पहले उन्होंने उपकेंद्र की ओर कूच किया। यहां पहुंचकर हंगामा करने लगे तो ड्यूटी पर तैनात विद्युतकर्मी ताला लगाकर भाग निकले। सूचना पर पुलिस भी आ गई, जिसके बाद उपभोक्ता इधर-उधर हो गए।

कुछ देर बाद उपभोक्ता उपकेंद्र के बाहर मुख्य मार्ग पर पहुंचे और बांस की सीढ़ी लगाकर जाम लगा दिया। यही सड़क पर नारेबाजी करने लगे। पुलिस कर्मियों ने लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन आक्रोशित लोग बिजली आपूर्ति चालू करने की मांग पर अड़े रहे। यहां दोनों पक्षों में तीखी झड़प भी हुई। इस दौरान मार्ग के दोनों तरह बस, ट्रक सहित बड़ी संख्या में छोटे-बड़े वाहनों की कतार लग गई।

उपभोक्ताओं का कहना था कि रात 9-45 बजे से बिजली गुल है। जिम्मेदार अधिकारी फोन नहीं उठा रहे। कोई ये नहीं बता रहा कि समस्या क्या है और आपूर्ति कब चालू होगी। एक बार किसी को फोन उठ रहा है तो सवाल पूछे जाने के बाद स्विच ऑफ कर दिया जा रहा है। उपकेंद्र पर मौजूद कर्मचारी भी कुछ स्पष्ट नहीं बता रहे। इसी वजह से उन्हें ये कदम उठाना पड़ा है।

मुख्य अभियंता वीपी सिंह ने बताया कि 33 केवी लाइन में फॉल्ट आने के कारण यह संकट उत्पन्न हुआ। दूसरी ओर इलाकाई उपखंड अधिकारी ने संकट के दौरान उपभोक्ताओं को एक-एक घंटे के अंतराल पर कटौती करके बिजली आपूर्ति का दावा किया। इधर, उपभोक्ताओं का दावा था कि करीब 9-45 बजे गुल हुई बिजली रात एक बजे तक चालू नहीं हो सकी। इस कारण लगभग डेढ़ किलोमीटर के दायरे में पूरी तरीके से अंधेरा पसरा रहा। रात डेढ़ बजे तक हंगामे की स्थिति बनी रही।

अहिबरनपुर उपकेंद्र के तहत सीतापुर रोड पर चार घंटे तक बिजली गुल होने के विरोध में लोग शनिवार रात लोग सड़क पर उतर आए और हंगामा करने लगे। बिजली संकट से आजिज उपभोक्ताओं उपकेंद्र की तरफ कूच किया, लेकिन वहां पहले से मौजूद पुलिस थी। ऐसे में उपभोक्ता ज्यादा हंगामा किए ही धर-उधर हो लिए। मुख्य अभियंता वीपी सिंह ने बताया कि 33 केवी लाइन में फॉल्ट आने के कारण यह संकट उत्पन्न हुआ। उपखंड अधिकारी ने संकट के दौरान उपभोक्ताओं को एक-एक घंटे के अंतराल पर कटौती करके बिजली आपूर्ति का दावा भी किया, लेकिन यह दावा तब फेल हो गया जब करीब 9-45 बजे गुल हुई बिजली रात एक बजे तक चालू नहीं हो सकी। इस कारण लगभग डेढ़ किलोमीटर के दायरे में पूरी तरीके से अंधेरा पसरा रहा।

हेल्पलाइन नंबर 1912 पर सुबह से बिजली उपभोक्ताओं की सुनवाई बंद, नहीं दर्ज हो रही शिकायतें

मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के लखनऊ समेत 19 जिलों के उपभोक्ताओं की रविवार सुबह से बिजली शिकायतों की सुनवाई बंद हो गई है। यह संकट लखनऊ के हुसैनगंज स्थित 1912 काल सेंटर में तकनीकी खामी आने से उत्पन्न हुआ है। इससे उपभोक्ताओं की बिजली संकट की समस्या का निराकरण नहीं हो पा रहा है । हालांकि, इस तकनीकी खामी को दूर करने के लिए बीएसएनएल टीम रविवार सुबह आठ बजे से जुटी है। मध्यांचल निगम के एक अफसर ने बताया कि लखनऊ, रायबरेली, उन्नाव ,हरदोई, सीतापुर, लखीमपुर, बाराबंकी, अयोध्या, बहराइच, गोंडा, श्रावस्ती, बलरामपुर, अंबेडकरनगर, सुल्तानपुर, अमेठी, बरेली, शाहजहांपुर, बदायूं, पीलीभीत जिलों के उपभोक्ताओं की सुनवाई न होने पर उनकी सहूलियत के लिए 1912 काल सेंटर की सेवा उपलब्ध कराई गई थी। अफसर ने बताया कि इस नंबर पर रविवार सुबह सात बजे से उपभोक्ताओं की शिकायतें दर्ज नहीं हो पा रही है। उपभोक्ता काल करते, मगर रिसीव नहीं हो रही है।

इस पर दर्ज कराएं शिकायतें

गोमतीनगर जोन के मुख्य अभियंता सुशील गर्ग ने बताया कि उपभोक्ताओं ने शिकायत कर 1912 पर शिकायत दर्ज न होने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ऐसे उपभोक्ताओं की जब तक 1912 पर शिकायतें दर्ज नहीं हो रही तब तक व्हाट्सप्प नंबर , ई-मेल, कंज्यूमर एप पर शिकायतें दर्ज करा सकते हैं।

अब्बास अंसारी की विधायकी खत्म, सीट घोषित हुई रिक्त, छुट्टी के दिन खुला सचिवालय...

चुनाव आयोग को भेजी गई सूचना

लखनऊ , एजेंसी। हेट स्पीच केस में सजा के एलान के बाद यूपी के मऊ से सुभासपा विधायक अब्बास अंसारी की विधायकी खत्म हो गई है। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने उनकी सीट को रिक्त घोषित कर दिया है। इसके लिए रविवार को छुट्टी के दिन सचिवालय खोला गया। चुनाव आयोग को इसकी सूचना भेज दी गई है। अब इस विधानसभा सीट के उपचुनाव पर सबकी नजर है। बीते विधानसभा चुनाव के दौरान नफरती भाषण और चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन के मामले मे फैसला शनिवार को हुआ। सीजेएम डॉ. केपी सिंह ने मामले में पक्षकारों की बहस सुनने के बाद फैसला के लिए 31 मई की तिथि नियत की थी। सुनवाई के बाद अदालत ने आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में अब्बास अंसारी को दोषी करार देते हुए दो साल की सजा सुनाई गई। इसके साथ ही अलग अलग धाराओं के तहत कुल 11 का जुर्माना भी लगाया गया है।

जानकारी के अनुसार, मामला शहर कोतवाली क्षेत्र का है। मामले में अभियोजन के अनुसार एसआई गंगाराम बिंद की तहरीर पर शहर कोतवाली में एफआईआर दर्ज की गई थी। इसमें सदर विधायक अब्बास अंसारी और अन्य लोगों को आरोपी बनाया गया था।

सबक सिखाने की धमकी भी मंच से दी गई थी: आरोप था कि बीते तीन मार्च 2022 को विधानसभा चुनाव के दौरान सदर विधानसभा सीट से सुभासपा के प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ रहे अब्बास अंसारी ने हेट स्पीच दिया। नगर के पहाड़पुर मैदान में जनसभा के दौरान कहा था कि मऊ प्रशासन को चुनाव के बाद हिसाब-किताब करने और इसके बाद सबक सिखाने की धमकी भी मंच से दी गई थी।

इस मामले में अब्बास के साथी मंसूर अंसारी को भी सजा सुनाई गई है। धारा 120बी भादवि के तहत उसे छह माह की सजा और एक हजार रुपये अर्थदंड लगाया गया है।

प्रदेश में चुनाव व्यवस्था में बड़े बदलाव की तैयारी

आम जनता चुनेगी जिला पंचायत अध्यक्ष व ब्लॉक प्रमुख

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश सरकार सांसद और विधायक की ही तरह यूपी में जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुख का चुनाव भी सीधे जनता से कराने पर मंथन कर रही है। सूत्रों की माने तो प्रदेश सरकार जल्द ही इस बारे में केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेज सकती है। माना जा रहा है कि अगर केंद्र ने राज्य सरकार के इस प्रस्ताव पर मुहर लगा दिया तो आगामी पंचायत चुनाव में ही इस नई चुनाव प्रक्रिया को लागू कर दिया जायेगा।

प्रदेश के पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने भी इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में उन्होंने शुक्रवार को ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करके चर्चा की है। उन्होंने मुख्यमंत्री के सामने प्रस्ताव रखा कि वह अधिकारियों को निर्देशित करें कि जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लाक प्रमुख का चुनाव सीधे जनता से कराने के संबंध में प्रस्ताव तैयार करें। प्रस्ताव तैयार कर इसे जल्द से जल्द केंद्र सरकार को भेजा जाए जिससे समय रहते इसकी तैयारी की जा सके। राजभर का कहना है कि मुख्यमंत्री ने उनके इस प्रस्ताव से सहमति जताई है और जल्द ही प्रस्ताव केंद्र को भेजने का आश्वासन भी दिया है।उन्होंने कहा कि वह पिछले चुनाव में ही यह चाहते थे। अधिकारियों से इसके लिए प्रस्ताव तैयार कराने के लिए कहेंगे। इस मुलाकात के दौरान ओम प्रकाश राजभर के पुत्र सुभासपा के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव अरविंद राजभर भी साथ थे। राजभर ने बताया कि पिछले महीने उन्होंने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलकर भी इस मुद्दे पर चर्चा किया था, तो शाह ने भी जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुख का चुनाव सीधे जनता से कराने पर हामी भरी थी। उन्होंने राज्य सरकार से प्रस्ताव भिजवाने को कहा था। राजभर ने कहा कि इसी कड़ी में होने मुख्यमंत्री से मिलकर अनुरोध किया है।

ठेलिया से टकराई बाइक, पत्नी की मौत, पति घायल

उन्नाव , एजेंसी। रसूलाबाद-सफीपुर मार्ग पर देवगांव के पास शनिवार शाम चार बजे साइकिल ठेलिया में तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर टकरा गई। घटना में बाइक सवार दंपती गंभीर घायल हो गए। दोनों को सीएचसी ले जाया गया, जहां महिला को डॉक्टर ने मृत घोषित कर पति को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। कोतवाली क्षेत्र के देवगांव गांव निवासी दृगपाल सिंह शनिवार को बीमार पत्नी ज्ञानेंद्री (40) के साथ बाइक से दवा लेने हसनगंज गए थे। शाम को लौटते समय गांव के सामने चौराहे पर अचानक सामने साइकिल ठेलिया आ गई और वह उससे टकरा गए। रफ्तार अधिक होने से बाइक करीब 20 मीटर तक घिसटती चली गई। घटना में दंपती घायल हो गए। सीएचसी में डॉक्टर ने ज्ञानेंद्री को मृत घोषित कर दिया। मां की मौत और पिता के गंभीर होने से बच्चे शिवा, शिवांश और बेटी प्रतिभा बेहाल हैं। थानाध्यक्ष एसएन त्रिपाठी ने बताया कि घायल का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

ब्रेकर पर उछली बाइक, सड़क पर गिरकर महिला की मौत

उन्नाव , एजेंसी। शारदानहर-बीघापुर मार्ग पर शनिवार दोपहर करीब एक बजे कुलहा गांव के पास रेलवे क्रॉसिंग के ब्रेकर पर बाइक उछलने से दो साल के बच्चे को लेकर बैठी महिला गिरकर गंभीर घायल हो गई। स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। बच्चा बाल-बाल बचा। महिला मायके से मिला बकरी का बच्चा भी सीट से बांधे थी, जिस कारण उसे बैठने में दिक्कत हो रही थी। बारासगवर थानाक्षेत्र के लालगंज प्रथम गांव निवासी गजराज, पत्नी पूजा (40) और दो साल के बच्चे के साथ शुक्रवार को अजगैन कोतवाली के बगहरी गांव स्थित ससुराल गए थे। शनिवार दोपहर लौटते समय पूजा के माता-पिता ने बकरी का एक बच्चा दे दिया। बाइक की सीट पर दंपती और बच्चे के साथ बकरी का बच्चा भी था। इससे पूजा ठीक से बैठ नहीं पा रहीं थीं। शारदा नहर-बीघापुर मार्ग पर कोतवाली के कुलहा गांव के पास ब्रेकर पर उछलने से पूजा, दो साल के बच्चे सहित सड़क पर गिर गईं। सिर में चोट आने से गंभीर हालत में स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। कोतवाल राजपाल ने बताया कि परिजनों ने कोई तहरीर नहीं दी है।

ईदगाह में एक ही बार होगी ईद की नमाज

मेरठ , एजेंसी। शाही ईदगाह कमेटी की बैठक में फैसला लिया गया कि ईदगाह में ईद की नमाज एक ही बार होगी। दरअसल, नमाजियों की संख्या ज्यादा होने के कारण कुछ लोगों ने कमेटी के सामने शाही ईदगाह में दो बार नमाज का प्रस्ताव रखा था। नमाज का वक्त सुबह सात बजे तय किया गया है।

ईदगाह कमेटी के सचिव सय्यद सलमान सब्जवारी ने बताया कि शाही ईदगाह परिसर में दो दिन तक इस पर मंथन किया गया। फैसले की इत्तेला शहर काजी डॉ. सालिकीन सिद्दीकी को दे दी गई है। इस बार भी ईद की नमाज देवबंद के किसी आलिम-ए-दीन से ही पढ़वाने का फैसला लिया गया है। उन्होंने बताया कि शहर में नमाजियों की बढ़ती संख्या और शाही ईदगाह परिसर में सीमित स्थान को मद्देनजर रखते हुए कमेटी के सामने यह प्रस्ताव आया था कि शाही ईदगाह में ईद-उल-अजहा की नमाज दो बार अलग-अलग समय पर अदा कराई जाए, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग ईदगाह में नमाज अदा कर सकें।

मंथन के बाद तय किया गया कि समय और संसाधनों की कमी के चलते इस निर्णय को इस बार लागू नहीं किया जाएगा। शाही ईदगाह में ईद-उल-अजहा पर दो बार नमाज अदा कराने के प्रस्ताव को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। हालांकि तय किया गया कि अगली ईद-उल-फितर से पहले इस विषय पर विस्तार से चर्चा कर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। बैठक में यह भी तय किया गया कि शाही ईदगाह की 900 साल पुरानी परंपरा के अनुसार इस बार भी ईद की नमाज किसी बड़े आलिम ए दीन से ही अदा करवाई जाएगी। बैठक में रऊफ उल हसन अंसारी, अलाउद्दीन सिद्दीकी, कारी शफीकुर्रहमान कासमी, फैज अहमद, अंजुम जमाल, डॉ. माजिद, तंसीर अहमद, सरफराज अहमद, नौशाद अहमद, सगीर अजमल, यासीन अब्बासी, मोइनुद्दीन और काजी रियाज आदि मौजूद रहे।

ईदगाह के बाहर नमाज ना अदा करें

ईदगाह कमेटी ने शहर की सभी बड़ी मस्जिदों के प्रबंधकों और खासकर फैज-ए-आम मस्जिद की प्रबंध समिति से अपील की है कि वह अपने यहां ईद की नमाज का समय ईदगाह की नमाज के बाद ही रखें, ताकि अगर कोई व्यक्ति ईदगाह की नमाज में शामिल न हो सके तो वह सड़कों पर नमाज पढ़ने के बजाए आसानी से फैज-ए-आम की मस्जिद में ईद की नमाज अदा कर सके। ईदगाह मैनेजमेंट कमेटी ने मुसलमानों से अपील की है कि वो ईदगाह के बाहर नमाज ना अदा करें।

प्रदेश में दिखेगा नौतपा का असर, घटेगा बारिश और आंधी का दायरा

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में मौसम एक बार फिर से गर्म होना शुरू हो गया है। शनिवार को आगरा सहित कई जिलों का तापमान 40 डिग्री के ऊपर गया। लखनऊ में उमस भरी गर्मी थी। रात में उमस होने की वजह से लोग परेशान रहे। मौसम विभाग के अनुसार अब प्रदेश में बारिश और आंधी का दायरा कम होगा।

हालांकि रविवार को भी पूर्वी व पश्चिमी यूपी के कई जिलों में आंधी व बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग ने प्रदेश के कई जिलों में तेज हवाओं के साथ गरज चमक के साथ बिजली गिरने की भी आशंका जताई है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि अभी पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आंधी व बूंदाबांदी का दौर जारी रहेगा, जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश में बारिश का दायरा घटेगा। वहीं प्रदेश में शनिवार को आगरा में 42.1 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ सबसे गर्म रहा। वहीं उरई में 41.8, बहराइच में 41.6, मुरादाबाद में 41.5 और और वाराणसी में 41.1 डिग्री

सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने कुछ दिन पहले लखनऊ में शुक्रवार रात से बादल छाने और शनिवार को छिटपुट बारिश के आसार जताए थे। भीषण उमस से परेशान लखनऊ के लोगों के लिए यह खबर राहत की सौगात लिए थी। शनिवार को सभी पूर्वानुमान धरे रह गए। तीखी धूप के बीच 40 डिग्री तापमान में भीषण उमस ने लोगों के पसीने छुड़ा दिए। बेहिसाब पसीने में राहत की उम्मीदें भी बह गईं। मौसम विभाग ने अब एक बार फिर लखनऊ व आस-पास के जिले के लोगों को अगले दो दिन भीषण गर्मी और उमस से राहत मिलने की उम्मीद जताई है। विभाग के अनुसार रविवार को आसमान में बदल छाए रहेंगे, लेकिन बारिश की कोई संभावना नहीं है। सोमवार को बारिश के आसार बन रहे हैं। इधर, शनिवार को काफी दिनों के बाद लू भी महसूस की। तपिश बढ़ने से अधिकतम तापमान 0.3 डिग्री बढ़ोत्तरी के साथ 40.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। वहीं, न्यूनतम तापमान 2.4 डिग्री की गिरावट के साथ 25.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लखनऊ के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि रविवार को आसमान में बादल छाए रहेंगे जिससे तेज धूप से राहत मिलेगी, जबकि सोमवार को बारिश होने का अनुमान है। लखनऊ के आस-पास के जिलों में भी चमक-गरज के साथ बारिश हो सकती है।

इन जिलों में गरजेंगे बादल, वज्रपात की आशंका: देवरिया, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, लखनऊ, बाराबंकी, अयोध्या और अंबेडकरनगर जबकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल व बदायूं।

यूईएफए चैंपियंस लीगः

पीएसजी के पहली बार चैंपियंस लीग का खिताब जीतने पर फैंस ने मचाया उत्पात

पेरिस, एजेंसी। पीएसजी की जीत के बाद पेरिस में फैंस ने आपा खो दिया। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, फैंस ने जमकर बवाल किया। सड़कों पर आतिशबाजी की और गाड़ियों में आग लगाई। पुलिस फिलहाल शांति प्रयास में जुटी हुई है।फ्रेंच क्लब पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने यूएफा चैंपियंस लीग का खिताब जीत लिया है। शनिवार देर रात खेले गए मुकाबले में पीएसजी ने इटैलियन क्लब इंटर मिलान को 5-0 से रौंद दिया। यह पीएसजी का पहला चैंपियंस लीग खिताब है और इसके बाद पेरिस में जश्न मनाने के लिए लोग सड़कों पर आ गए। पेरिस में जश्न मनाने को लेकर खूब बवाल हुआ और पुलिस को मामले को शांत कराना पड़ा। इसके कई वीडियोज भी सामने आए हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फैंस ने पुलिस पर हमला भी किया। गाड़ियों में भी आग लगाई और जमकर बवाल काटा। जर्मनी के म्यूनिख के एलियांज अरेना में खेले गए फाइनल में पीएसजी ने एकतरफा अंदाज में मैच जीता। टीम ने 12वें मिनट में अशरफ हकीमी के गोल से बढ़त बना ली थी। इसके बाद डेआईरी डूआय ने 20वें मिनट में गोल दाग पीएसजी को 2-0 से बढ़त दिला दी। हाफ टाइम तक पीएसजी 2-0 से आगे थी। इसके बाद 63वें मिनट में डेआईरी ने मैच में अपना दूसरा और पीएसजी का तीसरा गोल दागा। फिर ख्विचा क्वारातखेलिया ने 73वें मिनट और सेनी मयूलू ने 86वें मिनट में गोल दागकर अपनी टीम को 5-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद इंटर मिलान के लिए वापसी करना नामुमकिन था। इस तरह पीएसजी ने अपना पहला चैंपियंस लीग खिताब जीता।

नार्वे चेसः

गुकेश का उतार-चढ़ाव भरा सफर जारी, वेई से हारे, एरिगैसी ने नाकामुरा को हराया

स्टावेंजर (नॉर्वे), एजेंसी। इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे भारत के एक अन्य खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी ने अमेरिका के विश्व में दूसरे नंबर के खिलाड़ी हिकारू नाकामुरा को हराकर अपना चौथा स्थान बरकरार रखा। मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश का नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में उतार-चढ़ाव भरा सफर जारी रहा और यह भारतीय खिलाड़ी चीन के वेई यी से आर्मागेडन टाई-ब्रेक में हारकर संयुक्त पांचवें स्थान पर खिसक गया। इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे भारत के एक अन्य खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी ने अमेरिका के विश्व में दूसरे नंबर के खिलाड़ी हिकारू नाकामुरा को हराकर अपना चौथा स्थान बरकरार रखा। गत चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने शनिवार को भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा।

उन्होंने काले मोहरों से खेलते हुए फैबियानो कारूआना के खिलाफ आर्मागेडन टाई-ब्रेक में जीत हासिल कर अपने अंकों की संख्या 9.5 पर पहुंचा दी। महिला वर्ग में, दो बार की विश्व रैपिड चैंपियन कोनेरू हम्पी ने चीन की लेई टिंगजी के खिलाफ टाई-ब्रेक जीत के बाद 8.5 अंकों के साथ बढ़त हासिल की, जबकि आर वैशाली ने स्पेन की खिलाड़ी सारा खादेम के खिलाफ निर्णायक जीत हासिल की, जिससे उन्हें तीन अंक मिले और वह 6.5 अंकों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गईं।

हॉकीः

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम को मिली जीत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के लिए उप-कप्तान हिना (10वें मिनट) और लालरिनपुई (24वें मिनट) ने मैच के निर्धारित समय में गोल किये जबकि जबकि गीता, कनिका और लालथंतलुगी ने शूटआउट में अपने मौकों को भुनाकर टीम की जीत सुनिश्चित की।

भारत ने अर्जेंटीना के रोसारियो में चार देशों की जूनियर महिला हॉकी टूर्नामेंट के अपने पांचवें मुकाबले में उरुग्वे पर शूटआउट में 3-1 से जीत दर्ज की। इससे पहले निर्धारित समय में यह मुकाबला 2-2 की बराबरी पर छूटा था। भारत के लिए उप-कप्तान हिना (10वें मिनट) और लालरिनपुई (24वें मिनट) ने मैच के निर्धारित समय में गोल किये जबकि जबकि गीता, कनिका और लालथंतलुगी ने शूटआउट में अपने मौकों को भुनाकर टीम की जीत सुनिश्चित की। भारत ने मैच की आक्रामक शुरुआत के साथ दबदबा कायम किया।

हिना ने 10वें मिनट में खाता खोला जबकि लालरिनपुई के गोल से मध्यांतर तक भारत ने 2-0 की बढ़त बना ली। उरुग्वे ने हालांकि आखिरी क्वार्टर में शानदार वापसी की। टीम ने तीन मिनट के अंदर दो गोल कर स्कोर बराबर कर लिया। इनेस डी पोसादास ने 54वें मिनट जबकि मिलाग्रोस सेगल ने 57वें मिनट गोल करके स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। शूटआउट में भारत ने अपना संयम बनाए रखा और गीता, कनिका और लालथंतलुगी ने लगातार तीन गोल किए, जबकि उरुग्वे को केवल एक ही गोल करने का मौका मिला।

एबी डिविलियर्स को उम्मीद

आरसीबी जीतेगी अपनी पहली आईपीएल ट्रॉफी

मुंबई, एजेंसी। आईपीएल-2025 में गुरुवार को क्वालीफायर-1 खेला गया, जिसमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 8 विकेट से शानदार जीत दर्ज की। इसी के साथ आरसीबी 9 साल बाद आईपीएल के फाइनल में पहुंची है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने अपनी पूर्व आईपीएल फ्रेंचाइजी को इस साल अपना पहला खिताब जीतने के लिए सपोर्ट किया है।

इस साल आरसीबी शानदार फॉर्म में है। फ्रेंचाइजी ने इस सीजन अब तक सिर्फ चार मैच गंवाए हैं। उन्होंने लीग स्टेज का समापन 19 प्वाइंट्स के साथ किया। टीम प्वाइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर रही। विराट कोहली और फिल साल्ट क्रमशः 614 और 387 रनों के साथ फ्रेंचाइजी के लिए रन बनाने में सबसे आगे हैं। इस जोड़ी को कप्तान रजत पाटीदार, जितेश शर्मा और क्रुणाल पांड्या सहित मिडल ऑर्डर के बल्लेबाजों का सपोर्ट मिला है। गेंदबाजी के मोर्चे पर जोश हेजलवुड 11 मैचों में 21 विकेट लेकर टीम के लिए सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, जबकि क्रुणाल पांड्या (15 विकेट), भुवनेश्वर कुमार (15 विकेट) और यश दयाल (12 विकेट) भी टीम को संतुलित बनाने में योगदान दे रहे हैं। डिविलियर्स ने मुंबई में पत्रकारों से कहा मैं बहुत खुश हूं कि आरसीबी फाइनल में है। हमने कल रात एमआई को जीतते हुए देखा। इसलिए यह पंजाब और एमआई के बीच एक बहुत अच्छा क्वालीफायर, नॉकआउट मैच भी होगा। उस मैच का बेसब्री से इंतजार है, और जो भी इसे जीतेगा वह फाइनल में आरसीबी से खेलेगा।

इसलिए मैं फाइनल का बहुत बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं और उम्मीद है कि यह साल आरसीबी के लिए शानदार रहेगा। दिग्गज बल्लेबाज ने पंजाब किंग्स को आरसीबी के खिलाफ फाइनल खेलने का समर्थन किया, लेकिन शुक्रवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुंबई इंडियंस के दबदबे को देखने के बाद वे संशय में हैं।

उन्होंने कहा, मैंने काफी समय पहले, लगभग एक महीने पहले कहा था कि पंजाब और आरसीबी फाइनल में होंगे। एमआई अभी बहुत मजबूत दिख रही है, इसलिए ऐसा लगता है कि मेरे कहने के विपरीत हालात हैं, लेकिन यह अभी भी क्रिकेट है। आप कभी नहीं जानते। यह एक नॉकआउट मैच है। अपने विरोधियों पर दबाव बनाने के लिए एक या दो बेहतरीन प्रदर्शन की जरूरत होती है।

इसलिए मुझे लगता है कि पंजाब की टीम फाइनल में होगी, लेकिन कल रात का खेल देखने के बाद मेरे मन में थोड़ा संदेह है। पंजाब किंग्स अब रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में क्वालीफायर 2 मुकाबले में मुंबई इंडियंस से भिड़ेगी। इस मुकाबले को जीतने वाली टीम इसी मैदान पर 3 जून को आरसीबी के खिलाफ फाइनल खेलेगी।

बीसीसीआई को मिलेगा नया अध्यक्ष?

रोजर बिन्नी को रिप्लेस करने की रेस में ये दिग्गज सबसे आगे

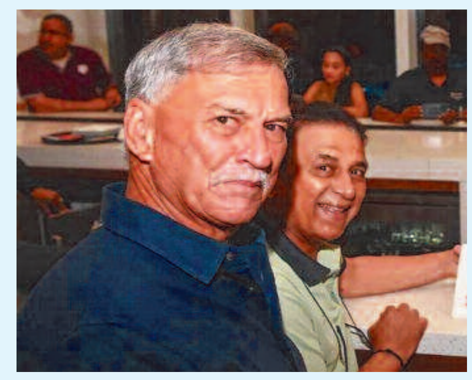

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड में जल्द ही एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है. मौजूदा बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी 19 जुलाई 2025 को 70 साल के हो जाएंगे, जिसके बाद बीसीसीआई के नियमों के अनुसार उन्हें अपने पद से हटना होगा. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस नियम के तहत बीसीसीआई के सभी पदाधिकारियों को 70 साल की उम्र के बाद अपने पद छोड़ने होते हैं. ऐसे में रोजर बिन्नी को रिप्लेस करने की रेस में एक दिग्गज सबसे आगे हैं. ये दिग्गज अंतरिम अध्यक्ष के रूप में जुलाई में ही यह जिम्मेदारी संभाल सकता है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला मौजूदा बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी को रिप्लेस कर सकते हैं. अंतरिम अध्यक्ष के रूप में जुलाई में ही यह जिम्मेदारी संभाल सकते हैं. राजीव शुक्ला लंबे समय से भारतीय क्रिकेट प्रशासन से जुड़े रहे हैं. वह पहले आईपीएल के चेयरमैन रह चुके हैं और बीसीसीआई में कई अहम भूमिकाएं निभा चुके हैं.

एक अनुभवी राजनेता और पूर्व पत्रकार होने के नाते, शुक्ला का क्रिकेट जगत में काफी अनुभव है. क्रिकब्लॉगर ने बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी का हवाला देते हुए दावा किया है कि राजीव शुक्ला जुलाई में ही रोजर बिन्नी की जगह ले सकते हैं और बोर्ड के अधिकारी पहले से ही उनके नाम पर चर्चा कर रहे हैं.

साल 2022 में बने थे बीसीसीआई अध्यक्ष

बता दें, रोजर बिन्नी ने 2022 में बीसीसीआई अध्यक्ष का पद संभाला था. उन्होंने सौरव गांगुली को रिप्लेस किया था. वह 1983 में भारत की पहली वर्ल्ड कप जीत में अहम भूमिका निभाने वाले खिलाड़ी थे. उस टूर्नामेंट में उन्होंने सबसे ज्यादा 18 विकेट लिए थे, जिसने भारत को ऐतिहासिक खिताब दिलाने में मदद की. बिन्नी ने अपने कार्यकाल के दौरान कई अहम फैसले लिए, जिसमें भारतीय क्रिकेट को वैश्विक स्तर पर मजबूत करना और प्रशासनिक सुधार शामिल हैं. हालांकि, उम्र सीमा के नियम के कारण अब उन्हें यह पद छोड़ना होगा. जिसके चलते राजीव शुक्ला को नया अध्यक्ष बनाए जाने की संभावना है.

जोकोविच लगातार 16वीं बार फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में

● वर्ल्ड नंबर-1 सिनर भी जीते, ज्वेरेव ने फ्लावियो को सीधे सेटों में हराया

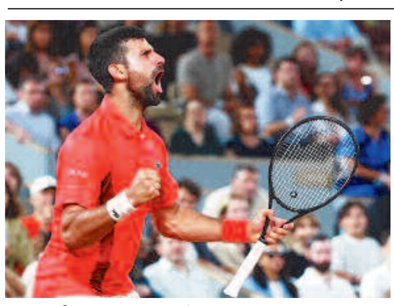

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड नंबर-1 जैनिक सिनर और 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच फ्रेंच ओपन के मेंस सिंगल्स चौथे राउंड में पहुंच गए हैं। वहीं, जर्मनी के टेनिस स्टार एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने भी चौथे दौर में जगह बना ली है।

जोकोविच ने शनिवार को खेले गए तीसरे दौर में ऑस्ट्रियाई खिलाड़ी फिलिप मिजोलिक को सीधे सेटों में 6-3, 6-4, 6-2 से हराया। सर्बिया के जोकोविच लगातार 16वीं बार फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में पहुंचे हैं। अब, 38 साल के जोकोविच का लक्ष्य अपने 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब को जीतकर इतिहास रचना है। उनका अगला मुकाबला ब्रिटिश खिलाड़ी कैमरन नॉरी से होगा। सिनर की किसी ग्रैंड स्लैम में लगातार 17वीं जीत सिनर ने तीसरे दौर में चेक खिलाड़ी जिरी लेहेका को 1 घंटे 45 मिनट में 6-0, 6-1, 6-2 से हराया। सिनर की यह किसी भी ग्रैंड स्लैम में लगातार 17वीं जीत है।

यह टूर्नामेंट सिनर के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह उनकी तीन महीने की डोपिंग प्रतिबंध के बाद दूसरी प्रतियोगिता है। इससे पहले, उन्होंने इटालियन ओपन के फाइनल में पहुंचकर वापसी की थी। ज्वेरेव लगातार 8वीं बार अंतिम-16 में जर्मनी के टेनिस स्टार एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने चौथे दौर में प्रवेश कर लिया है। उन्होंने इटली के फ्लावियो कोबोली को सीधे सेटों में 6-2, 7-6, 6-1 से हराया। यह लगातार आठवां साल है जब ज्वेरेव फ्रेंच ओपन के अंतिम-16 में पहुंचे हैं । अब ज्वेरेव का सामना चौथे दौर में डच खिलाड़ी टैलोन ग्रीक्सपूर से होगा। पिछले साल के फाइनलिस्ट ज्वेरेव का लक्ष्य इस बार अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीतना है।

शुभमन गिल के समर्थन में शिखर धवन, कहा- टेस्ट कप्तानी के लिए बिल्कुल सही विकल्प

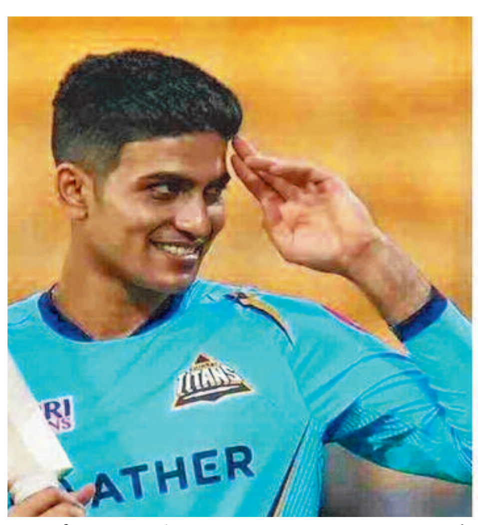

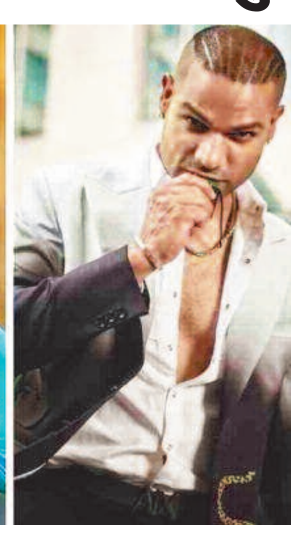

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए शुभमन गिल को टेस्ट कप्तान बनाया गया है। कुछ लोगों ने इस फैसले पर आपत्ति जताई है तो कुछ ने गिल का समर्थन किया है। गिल के समर्थकों में एक नाम पूर्व ओपनर बल्लेबाज शिखर धवन उर्फ गब्बर का भी जुड़ गया है। धवन मानते हैं कि गिल टेस्ट कप्तान के रूप में बुलकुल सही विकल्प हैं। रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट से संन्यास के बाद यह फैसला लिया गया है।

धवन ने कहा, मुझे लगता है कि यह एक बढ़िया विकल्प है। शुभमन ने हाल ही में आईपीएल में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है। वह एक बेहतरीन प्रतिभा है और परिपक्व हो गया है। वह कई वर्षों से भारतीय टीम के लिए खेल रहा है। मुझे लगता है कि वह टेस्ट कप्तानी संभालने के लिए एकदम सही उम्मीदवार है, और मुझे यकीन है कि वह इसे अच्छी तरह से संभालेगा और टीम का नेतृत्व करेगा।

यह अब नई पीढ़ी है - जेन जेड - और मुझे विश्वास है कि वह शानदार काम करेगा। मेरी शुभकामनाएं। इसके अलावा धवन ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल 2025) जीतने के लिए मुंबई इंडियंस (एमआई) का भी समर्थन करते हुए उन्हें एक संतुलित टीम कहा। उन्होंने कहा, इस बार आईपीएल बहुत रोमांचक रहा है। फाइनल के लिए मेरा समर्थन मुंबई इंडियंस के साथ होगा।

मुंबई इंडियंस की टीम वास्तव में अच्छा खेल रही है - वे बहुत संतुलित हैं। जिस तरह से उन्होंने गति प्राप्त की है वह शानदार है और वे एक बहुत मजबूत और संतुलित टीम हैं। इसलिए, मैं मुंबई इंडियंस के साथ हूं।

शादी, धोखा, फिर शुरू हुई नई लव स्टोरी...

भारतीय खिलाड़ी की उतार-चढ़ाव भरी कहानी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी दिनेश कार्तिक 1 जून 2025 को अपना 40वां जन्मदिन मनाया. फिलहाल वह आईपीएल में आरसीबी के मेंटॉर के रूप में काम कर रहे और उन्होंने टीम को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है. दिनेश कार्तिक का क्रिकेट करियर काफी उतार-चढ़ाव से भरा रहा. वहीं, उनकी पर्सनल लाइफ में भी काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिले. जिससे उभर पाना हर किसी के लिए आसान नहीं होता है.

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी दिनेश कार्तिक 1 जून 2025 को अपना 40वां जन्मदिन मना रहे हैं. फिलहाल वह आईपीएल में आरसीबी के मेंटॉर के रूप में काम कर रहे और उन्होंने टीम को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है. दिनेश कार्तिक का क्रिकेट करियर काफी उतार-चढ़ाव से भरा रहा. वहीं, उनकी पर्सनल लाइफ में भी काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिले. जिससे उभर पाना हर किसी के लिए आसान नहीं होता है. दिनेश कार्तिक सिर्फ 21 साल के थे, जब उन्होंने शादी कर ली थी. उन्होंने अपनी बचपन की दोस्त निकिता वंजारा को जीवन साथी बनाया था. दोनों के परिवार एक-दूसरे को अच्छी तरह जानते थे, और उनके पिता अच्छे दोस्त थे. उस समय कार्तिक अपने क्रिकेट करियर की शुरुआत कर रहे थे और भारतीय टीम में अपनी जगह बनाने की कोशिश में थे. शादी के शुरुआती साल ठीक रहे, लेकिन 2012 में दिनेश कार्तिक की जिंदगी में एक ऐसा तूफान आया, जिसने सब कुछ बदल दिया. दिनेश कार्तिक सिर्फ 21 साल के थे, जब उन्होंने शादी कर ली थी. उन्होंने अपनी बचपन की दोस्त निकिता वंजारा को जीवन साथी बनाया था. दोनों के परिवार एक-दूसरे को अच्छी तरह जानते थे, और उनके पिता अच्छे दोस्त थे.

उस समय कार्तिक अपने क्रिकेट करियर की शुरुआत कर रहे थे और भारतीय टीम में अपनी जगह बनाने की कोशिश में थे. शादी के शुरुआती साल ठीक रहे, लेकिन 2012 में दिनेश कार्तिक की जिंदगी में एक ऐसा तूफान आया, जिसने सब कुछ बदल दिया. उस समय कार्तिक तमिलनाडु की ओर से विजय हजारे ट्रॉफी में कर्नाटक के खिलाफ एक अहम मैच खेल रहे थे। इसी दौरान उन्हें पता चला कि उनकी पत्नी निकिता का उनके करीबी दोस्त और

टीम के साथी मुरली विजय के साथ अफेयर चल रहा है. मुरली विजय न केवल उनके दोस्त थे, बल्कि तमिलनाडु टीम में उनके साथी भी थे. जिसके बाद कार्तिक ने तलाक लेने का फैसला किया.

2012 में दोनों का तलाक हो गया, और निकिता ने उसी साल मुरली विजय से शादी कर ली. उस समय कार्तिक तमिलनाडु की ओर से विजय हजारे ट्रॉफी में कर्नाटक के खिलाफ एक अहम मैच खेल रहे थे। इसी दौरान उन्हें पता चला कि उनकी पत्नी निकिता का उनके करीबी दोस्त और टीम के साथी मुरली विजय के साथ अफेयर चल रहा है. मुरली विजय न केवल उनके दोस्त थे, बल्कि तमिलनाडु टीम में उनके साथी भी थे. जिसके बाद कार्तिक ने तलाक लेने का फैसला किया.

2012 में दोनों का तलाक हो गया, और निकिता ने उसी साल मुरली विजय से शादी कर ली. दिनेश कार्तिक की जिंदगी में एक नया मोड़ तब आया जब उनकी मुलाकात भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी दीपिका पल्लीकल से हुई. दोनों की मुलाकात 2013 में एक फिटनेस कोच बासु शंकर के जरिए हुई, जो दोनों को ट्रेनिंग दे रहे थे. शुरुआत में दीपिका क्रिकेटरों से दूरी बनाकर रखती थीं. लेकिन धीरे-धीरे दोनों के बीच दोस्ती बढ़ी, और दीपिका ने कार्तिक को इस मुश्किल दौर से बाहर निकालने में अहम भूमिका निभाई. दिनेश कार्तिक की जिंदगी में एक नया मोड़ तब आया जब उनकी मुलाकात भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी दीपिका पल्लीकल से हुई. दोनों की मुलाकात 2013 में एक फिटनेस कोच बासु शंकर के जरिए हुई, जो दोनों को ट्रेनिंग दे रहे थे. शुरुआत में दीपिका क्रिकेटरों से दूरी बनाकर रखती थीं. लेकिन धीरे-धीरे दोनों के बीच दोस्ती बढ़ी, और दीपिका ने कार्तिक को इस मुश्किल दौर से बाहर निकालने में अहम भूमिका निभाई. इस बाद कार्तिक और दीपिका ने 2013 में सगाई की और 2015 में शादी कर ली. इन दोनों ने 18 अगस्त को ईसाई रीति से और 20 अगस्त को हिंदू परंपरा के अनुसार शादी रचाई. वहीं, 2021 में इस जोड़े को जुड़वां बेटों, जियान और कबीर, का आशीर्वाद मिला. दीपिका के समर्थन ने कार्तिक को न केवल निजी जिंदगी में स्थिरता दी, बल्कि उनके क्रिकेट करियर को भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया. इस बाद कार्तिक और दीपिका ने 2013 में सगाई की और 2015 में शादी कर ली.

इन दोनों ने 18 अगस्त को ईसाई रीति से और 20 अगस्त को हिंदू परंपरा के अनुसार शादी रचाई. वहीं, 2021 में इस जोड़े को जुड़वां बेटों, जियान और कबीर, का आशीर्वाद मिला. दीपिका के समर्थन ने कार्तिक को न केवल निजी जिंदगी में स्थिरता दी, बल्कि उनके क्रिकेट करियर को भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया